MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-06 ❖ अंक-26 ❖ मुंबई ❖ रविवार 22 से 28 जून 2025 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2024-2026

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

सुविचार

सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए।

सुविचार

"जीवन में सब्र और मेहनत की जरूरत होती है, भाग्य खुद चलकर आता है।"

इरान-इजराइल जंग के आठवें दिन ईरानी मिसाइलों ने इजराइल में मचाया कहर

तेल अवीव से लेकर हाइफा तक धमाके

इजराइल के बीर्शेबा में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल

तेहरान/तेल अवीव, (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच जंग के आठवें दिन शुक्रवार सुबह ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। ईरान ने गुरुवार को बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा। इजराइल डिफेंस फोर्स ने कहा कि ताजा हमले में ईरान की ओर से करीब 25 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि हाइफा में एक मिसाइल हमले में कई लोग घायल हो गए है, जिनमें एक नाबालिग की हालत गंभीर है। दक्षिणी और मध्य इजराइल में भी मिसाइल हमले की खबरें हैं।

कई कारों में लगी आग व आस-पास के घरों को पहुंचा नुकसान

नाटो समिट में उठेगा ईरान का मुद्दा

जर्मन सरकार के प्रवक्ता ने शुक्रवार को ईरान-इजराइल युद्ध को लेकर कहा कि अगले सप्ताह होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में ईरान पर चर्चा होने की संभावना है। प्रवक्ता ने इजराइल-ईरान युद्ध में संभावित अमेरिकी सैन्य भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि हम सहयोगियों की संभावित हमले की योजनाओं पर टिप्पणी नहीं करते हैं। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि वह दो सप्ताह के भीतर तय करेंगे कि उनका देश इजराइली हमलों में शामिल होगा या नहीं।

ईरान में मौत का आंकड़ा 657 पहुंचा

वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 657 हो चुका है और 2,037 लोग घायल हैं। वहीं, जंग में अब तक इजराइल के 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा लोग घायल हैं। वहीं ईरान के खोरासन रजवी इलाके में सुप्रीम लीडर अली खामनेई के प्रतिनिधि अहमद अलामोलहोदा ने शुक्रवार को कहा कि कमांडरों, परमाणु कार्यक्रम अधिकारियों की मौत या सामाजिक नुकसान से ईरानियों को घबराने की जरूरत नहीं है। अहमद अलामोलहोदा ने शुक्रवार की नमाज के दौरान कहा कि दुश्मन मनोवैज्ञानिक और सैन्य हमलों से डर फैलाना चाहता है, लेकिन ईरानी जनता डटी हुई है।

ईरान ने भारत के लिए अपना हवाई क्षेत्र खोला

इजराइल के साथ हफ्ते भर से जारी जंग के बीच ईरान ने भारत के लिए अपना हवाई क्षेत्र खोल दिया है। ऑपरेशन सिंधु के तहत भारत सरकार अगले दो दिनों के दौरान तीन विशेष चार्टर्ड उड़ानों से करीब 1 हजार भारतीय छात्रों का ईरान से रेस्क्यू करेगी। ईरान में फंसे छात्रों को लेकर एक फ्लाइट शुक्रवार रात पहुंची और दो उड़ाने आज दोपहर तक भारत पहुंचेगी। इन हवाई उड़ानों की व्यवस्था भारत सरकार ने की है। यह हवाई उड़ाने ईरान के मशहद से उड़ान भरेंगी और दिल्ली में उतरेंगी। इससे पहले 110 भारतीय छात्र 19 जून को ईरान से भारत पहुंचे थे। हालांकि, इन्हें लैंड बॉर्डर के रास्ते ईरान से निकाला गया था। क्योंकि 13 जून को इजराइली हमले के बाद से ईरान का हवाई क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बंद था।

एअर इंडिया ने कीं नौ उड़ानें रद्द

- हवाई अड्डे पर मेंटेनेंस व ऑपरेशनल कारणों का दिया हवाला
- अहमदाबाद विमान हादसे के बाद 9 दिनों में 84 उड़ानें हुईं रद्द

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। एअर इंडिया ने शुक्रवार को नौ उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें चार अंतरराष्ट्रीय और पांच घरेलू हैं। एअर इंडिया ने बताया कि एयरपोर्ट पर मेंटेनेंस और ऑपरेशनल वजहों से इन उड़ानों को रद्द किया गया है। घरेलू उड़ानों में पुणे से दिल्ली जा रही फ्लाइट एआई 874, अहमदाबाद से दिल्ली की फ्लाइट एआई 456, हैदराबाद से मुंबई की फ्लाइट एआई 2872 और चेन्नई से मुंबई की फ्लाइट एआई 571 रद्द हुई हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में दुबई से चेन्नई आ रही फ्लाइट एआई 906, दिल्ली से मेलबर्न जा रही फ्लाइट ,एआई 308, मेलबर्न से दिल्ली आ रही फ्लाइट एआई 309 और दुबई से हैदराबाद आ रही फ्लाइट एआई 2204 शामिल हैं। वहीं, दिल्ली से पुणे जा रही उड़ाने से पक्षी टकराया गया, जिसके चलते विमान की रिटर्न जर्नी कैंसिल कर दी गई।

21 जून से 15 जुलाई तक सेवाएं होंगी प्रभावित

एयरलाइन अस्थायी रूप से बड़े आकार वाले विमानों से संचालित उड़ानों में 15 प्रतिशत की कटौती करेगी। यह कटौती 21 जून से प्रभावी होगी और कम से कम 15 जुलाई 2025 तक जारी रहेगी। इसमें दिल्ली-नैरोबी, अमृतसर-लंदन और गोवा-लंदन पर 15 जुलाई तक सेवाएं निलंबित रहेंगी। इसके अलावा, उत्तरी अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और सुदूर पूर्व के शहरों को जोड़ने वाले 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानों में कमी की जाएगी।

कनाडा में भारतीय छात्रा की मौत

नई दिल्ली। कनाड़ा में वैंकूवर स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा है कि कैलगरी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली एक भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की मौत हो गई है। दूतावास ने छात्रा की मौत का कारण नहीं बताया लेकिन कहा है कि वह अधिकारियों के संपर्क में है और शोक संतप्त परिवार को सभी सहायता प्रदान करेगा। दूतावास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा हम कैलगरी विवि की भारतीय छात्रा तान्या त्यागी के आकस्मिक निधन से दुखी हैं।

बैंक धोखाधड़ी में रतुल पुरी आरोप मुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली की दो अलग-अलग अदालतों ने उद्योगपति रतुल पुरी और अन्य आरोपियों को कुल 1,101 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी के दो मामलों में आरोप मुक्त कर दिया है। सीबीई के आरोपपत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक मंशा साबित न होने पर अदालत ने यह फैसला सुनाया। यह दोनों मामले मोजर बेयर सोलर लिमिटेड और मोजर बेयर इंडिया लिमिटेड से जुड़े थे, जिनमें एक मामले में 747 करोड़ रुपए और दूसरे मामले में 354 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे।

डीएनए मिलान से 220 शवों की पहचान

नई दिल्ली। एअर इंडिया प्लेन क्रैश के एक सप्ताह बाद भी डीएनए मिलान से शवों की पहचान की जा रही है। शुक्रवार को गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने बताया कि अब तक 220 शवों की पहचान हो गई है और उनमें से 202 के पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। अहमदाबाद में हुई इस दुर्घटना में 270 लोगों की मौत हो गई थी।

कर्नाटक संग सीमा विवाद सुलझाएगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। कर्नाटक के साथ चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने पहल की है। महाराष्ट्र सरकार ने इस मुद्दे को लेकर फडणवीस की अध्यक्षता में दोबारा उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। समिति सीमा विवाद से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लेगी। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच 1957 से सीमा विवाद चल रहा है।

कोरोना मामलों में कमी सक्रिय मामले 5608

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी देखी गई है और शुक्रवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 5608 रह गई। पिछले 24 घंटों के दौरान कोराना संक्रमित 1092 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या 18256 तक पहुंच गई और इस अवधि में चार और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 120 पहुंच गया है।

कलकत्ता हाईकोर्ट से ममता सरकार को झटका

बेरोजगार ग्रेड सी-डी स्कूल कर्मचारियों को आर्थिक मदद रोकी

26 हजार शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों पर पड़ेगा असर

कोलकाता, (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार को 26 सितम्बर तक गैर-शिक्षण कर्मचारियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना को लागू करने से रोक दिया है। कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी थी, जिसमें चयन प्रक्रिया को गलत ठहराया गया था। हाईकोर्ट ने 9 जून को उन याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिनमें राज्य द्वारा ग्रुप सी के प्रत्येक कर्मचारी को 25,000 रुपए और ग्रुप डी के प्रत्येक कर्मचारी को 20,000 रुपए का भुगतान करने का विरोध किया गया था। अंतरिम आदेश में न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने राज्य सरकार को 26 सितम्बर तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, गैर-शिक्षण कर्मचारियों को आर्थिक राहत प्रदान करने की योजना को आगे बढ़ाने से रोक दिया है। उन्होंने राज्य सरकार को चार सप्ताह में याचिकाकर्ताओं की दलीलों के विरोध में अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत के आदेश पर गई थी नौकरी

पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों के लगभग 26,000 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर अपनी नौकरी खो दी थी। कोर्ट ने 2016 की चयन प्रक्रिया को भ्रष्ट पाया गया।

स्विस बैंकों में भारतीयों के 37600 करोड़ जमा

- स्विस नेशनल बैंक के आंकड़ों में हुआ खुलासा
- 11 प्रतिशत बढ़ा ग्राहक खातों में जमा धन

(एजेंसियां)। स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा पैसा 2023 के मुकाबले 2024 में तीन गुना बढ़कर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया है। भारतीय रुपए में यह रकम करीब 37,600 करोड़ रुपए होती है। स्विस नेशनल बैंक ने यह आंकड़े जारी किए। हालांकि, भारतीयों के ग्राहक खातों में जमा धन केवल 11 प्रतिशत बढ़ा और यह 34.6 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 3,675 करोड़ रुपए) रहा। यह कुल धन का लगभग दसवां हिस्सा है। इससे पहले, 2023 में भारत के लोगों और कंपनियों की ओर से स्विस बैंकों में जमा धन में 70 प्रतिशत की गिरावट की आई थी और यह चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक पर आ गया था। इसमें स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखी जमा राशि शामिल है। एसएनबी ने 2023 के अंत में स्विस बैंकों की कुल देनदारियों या उनके भारतीय ग्राहकों की बकाया राशि के रूप में कुल राशि 354.55 करोड़ स्विस फ्रैंक आंकी है। इसमें ग्राहक जमा में 34.6 करोड़ स्विस फ्रैंक (2023 के अंत में 31 करोड़ स्विस फ्रैंक से अधिक), अन्य बैंकों के माध्यम से रखे गए 3.02 अरब स्विस फ्रैंक (42.7 करोड़ स्विस फ्रैंक से अधिक), न्यासों (ट्रस्टों) के माध्यम से 4.1 करोड़ स्विस फ्रैंक (1 करोड़ स्विस फ्रैंक से अधिक) तथा बॉन्ड, प्रतिभूतियों (सिक्योरिटीज) और अन्य वित्तीय उत्पादों के रूप में 13.5 करोड स्विस फ्रैंक की राशि शामिल हैं।

स्विस बैंकों में विदेशी ग्राहकों की रखी राशि के मामले में ब्रिटेन 222 अरब स्विस फ्रैंक के साथ शीर्ष पर है। उसके बाद दूसरे स्थान पर अमेरिका (89 अरब स्विस फ्रैंक) और तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज (68 अरब स्विस फ्रैंक) है। इन तीनों के बाद शीर्ष 10 में जर्मनी, फ्रांस, हॉन्ग कॉन्ग, लक्जमबर्ग, सिंगापुर, ग्वेर्नसे और संयुक्त अरब अमीरात हैं।

2021 में टूटा था 14 साल की रिकॉर्ड

बीते वर्ष की जमा राशि 2021 के बाद से सबसे अधिक है। उस समय स्विस बैंकों में भारतीयों की जमा राशि 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पहुंच गई थी। यह स्विस नैशनल बैंक (एसएनबी) को बैंकों से मिले आधिकारिक आंकड़े हैं। इसे स्विट्जरलैंड में रखे गए भारतीयों का काला धन नहीं माना जाना चाहिए। इन आंकड़ों में वह राशि भी शामिल नहीं है जो भारतीयों, एनआरआई या अन्य लोगों ने तीसरे देश की संस्थाओं के नाम पर स्विस बैंकों में रखी हो सकती है।

बिहार को मिली छह हजार करोड़ की सौगात

- मोदी ने सीवान में जनसभा को किया संबोधित
- पटना-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

पटना/सीवान, शुक्रवार को बिहार को 6000 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात दी। मोदी बिहार के सीवान पहुंचे। जहां से उन्होंने करीब 10 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश के 51 हजार लोगों को पीएम आवास योजना की पहली किस्त जारी की। इसके अलावा पीएम मोदी ने वैशाली में नई रेल लाइन और पटना-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने सीवान के जसौली में एक जनसभा को भी संबोधित किया। संबोधन से पहले पीएम मोदी ने भव्य रोड शो भी किया। उनके साथ बिहार के सीएम नीतीश कुमार, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा मौजूद थे। बता दें, चुनावी साल में 6 महीने के भीतर पीएम का यह चौथा बिहार दौरा है। इससे पहले वे भागलपुर, मधुबनी, पटना और शाहबाद के इलाके में जनसभा कर चुके हैं।

मोदी ने ओडिशा में किया रोड शो

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा के दौरे पर हैं, इस दौरान उन्होंने राजधानी भुवनेश्वर में रोड शो किया। मोदी ने 18,600 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि 20 जून का दिन बहुत विशेष है। आज ओडिशा में पहली भाजपा सरकार ने सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा किया है। यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार की नहीं है, यह सुशासन की स्थापना की वर्षगांठ है।

अंग्रेजी भाषा शर्म नहीं शक्ति : राहुल

अमति शाह के अंग्रेजी वाले ब्यान पर बोला हमला

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सशिक्तकरण करती है। यह शर्मनाक नहीं है और इसे हर बच्चे को सिखाया जाना चाहिए। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि गरीब बच्चे यह भाषा सीखें, क्योंकि वे नहीं चाहते कि वे सवाल पूछें और समानता हासिल करें। राहुल का पोस्ट अमित शाह की उस टिप्पणी के बाद आया, जिसमें शाह ने कहा था कि इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म आएगी।

भाजपा-आरएसएस नहीं चाहती गरीब बच्चे अंग्रेजी सीखें : राहुल गांधी

भाषा विवाद में टीएमसी नेता भी कूदे

डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि भारत में 22 संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त भाषाएं और 19,500 भाषाएं और बोलियां हैं और यही हमारे देश की विविधता में एकता है। 97 प्रतिशत लोग मान्यता प्राप्त भाषाओं में से किसी एक को अपनी मातृभाषा के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

मणिपुर के चुराचांदपुर में भड़की हिंसा

सुरक्षा बलों और अज्ञात हमलावरों के बीच हुए एनकाउंटर में एक बुजुर्ग कुकी महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला क्रॉस फायर की चपेट में आ गई। घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बलों ने एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। यह ऑपरेशन उस वक्त शुरू किया गया, जब बिष्णुपुर जिले में खेतों में काम कर रहे एक मैतई किसान को गोली लगी। बताया गया कि गोली आसपास की पहाड़ियों से चलाई गई थीं। दरअसल, मैतेई नेता अशेम कनन सिंह की 7 जून को को गिरफ्तारी के बाद राज्य में हिंसा भड़क गई थी। इंफाल के कई इलाकों में गाड़ियां जला दी गईं, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए थे। पुलिस से झड़प के अलावा प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की थी। अशेम को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

चुराचांदपुर में कुकी महिला की मौत

रिपोर्ट *2024 के लोकसभा चुनावी खर्च को लेकर एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा*

भाजपा ने प्रचार पर किए 1,494 करोड़ रुपए खर्च

के निकाय एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने शुक्रवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने लगभग 1,494 करोड़ रुपए खर्च किए, जो कुल चुनावी व्यय का 44.56 प्रतिशत है। इसके बाद कांग्रेस का स्थान है जिसने 620 करोड़ रुपए या कुल व्यय का 18.5 प्रतिशत खर्च किया।

एडीआर ने कहा कि उसने 32 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के रिकार्ड का विश्लेषण किया। इन पार्टियों ने 16 मार्च से छह जून, 2024 के बीच लोकसभा चुनावों के साथ-साथ हुए आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधानसभा चुनावों के दौरान कुल 3,352.81 करोड़ रुपए खर्च किए। इस खर्च में राष्ट्रीय दलों का योगदान 2,204 करोड़ रुपए (65.75 प्रतिशत) से अधिक रहा। रिपोर्ट के अनुसार, एकत्रित कुल धन में से राष्ट्रीय दलों को 6,930.246 करोड़ रुपए (93.08 प्रतिशत) और क्षेत्रीय दलों को 515.32 करोड़ रुपए (6.92 प्रतिशत) प्राप्त हुए। यह विश्लेषण अनिवार्य व्यय विवरण पर आधारित है, जिसे राजनीतिक दलों को आम चुनाव के 90 दिनों के भीतर और राज्य चुनाव के 75 दिनों के भीतर चुनाव आयोग के पास दाखिल करना होता है। पार्टियों ने वर्चुअल कैंपेन पर 132 करोड़ रुपए और अपने उम्मीदवारों के आपराधिक इतिहास को प्रकाशित करने पर 28 करोड़ रुपए खर्च किए। प्रचार पर 32 राजनीतिक दलों के कुल खर्च में से 1,511.30 करोड़ रुपए या 75.25 प्रतिशत राष्ट्रीय दलों ने और 496.99 करोड़ रुपए या 24.75 प्रतिशत क्षेत्रीय दलों ने खर्च किए।

दूसरे स्थान पर कांग्रेस ने किए 620 करोड़ खर्च

चुनावी खर्च की सूची में प्रचार रहा सबसे ऊपर

चुनावी खर्च की सूची में प्रचार सबसे ऊपर रहा। इस मद में पार्टियों ने 2,008 करोड़ रुपये खर्च किए, जो उनके कुल घोषित व्यय का 53 प्रतिशत से अधिक है। यात्रा व्यय 795 करोड़ रुपए के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद उम्मीदवारों को एकमुश्त भुगतान 402 करोड़ रुपए का स्थान रहा।

बुजुर्ग होते विश्व में भारत की महत्ता

देश में 16वीं जनगणना की अधिसूचना जारी हो चुकी है। देश में यह पहली ऐसी जनगणना होगी, जहां आंकड़ों का संकलन कागज-कलम से न होकर डिजिटल आधार पर किया जाएगा। 2011 के बाद होने वाली इस जनगणना में जाति गणना भी शामिल होगी। इस जनगणना से भारत में गरीबी, शिक्षा, लोगों की आय, लिंगानुपात, जाति, पंथ, अमीरी-गरीबी, युवा-बुजुर्ग इत्यादि की तस्वीर साफ होगी।

अभी हम युवा देश हैं, परंतु हाल में देश में लिंगानुपात से संबंधित जो रपटें आई हैं, उनमें देश में वृद्धजनों की बढ़ती आबादी का आकलन किया गया है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पहली रिपोर्ट प्लेसेस नामक जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसके आंकड़े बताते हैं कि आज भारत का हर चौथा-पांचवां बुजुर्ग स्मृति लोप, भाषा का ठीक से प्रयोग न करने, सोचने-समझने एवं निर्णय लेने की क्षमता के कमजोर हो जाने जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।

दूसरी रिपोर्ट भारतीय स्टेट बैंक ने जारी की है। इसके अनुसार भारत की कामकाजी आबादी की औसत आयु 2021 में 24 वर्ष के मुकाबले साल 2026 में बढ़कर 28-29 वर्ष हो जाएगी। आज चीन की कामकाजी औसत आयु 39.5 साल है। वहीं यूरोप में यह 42 साल, उत्तरी अमेरिका में 38 एवं एशिया में 32 साल है। वैश्विक स्तर पर यह औसत आयु 30.4 वर्ष दर्ज की गई है।

एसबीआइ की रिपोर्ट संकेत देती है कि भारत में शून्य से चौदह साल के बच्चों की आबादी में गिरावट आ रही है। 1991 में इनकी जो आबादी 36.4 करोड़ थी, वह 2026 में घटकर 34 करोड़ रहने वाली है। आबादी में 1991 में इनकी जो हिस्सेदारी 37 प्रतिशत थी, वह वर्ष 2026 में घटकर 24.3 प्रतिशत रह जाएगी। इस प्रकार 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की आबादी विगत ढाई दशक में बढ़कर दोगुनी हो गई है। इसका अर्थ है कि 2001 में बुजुर्गों की जो आबादी 7.9 करोड़ थी, वह साल 2026 में बढ़कर 15 करोड़ के आसपास पहुंच जाएगी।

इनमें 7.7 करोड़ पुरुष तथा 7.3 करोड़ महिलाएं होंगी। इसी तरह वर्ष 2001 में देश में जो कामकाजी आबादी 58.6 करोड़ थी, 2026 में इसके बढ़कर 91 करोड़ होने का अनुमान है। माना जा रहा है कि अगली जनगणना में देश की कुल आबादी में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी कामकाजी लोगों की होगी। इसी संदर्भ में तीसरी रिपोर्ट केंद्र सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय ने प्रकाशित की है। यह बताती है कि देश में 2036 तक बच्चों एवं किशोरों की आबादी में गिरावट दर्ज होगी और बुजुर्गों एवं मध्यम उम्र के लोगों की संख्या बढ़ेगी। इस रिपोर्ट के अनुसार 2021 में आबादी में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की हिस्सेदारी 26.2 प्रतिशत थी, लेकिन 2026 में यह घटकर 20.6 प्रतिशत रह जाएगी। 2021 में 35-49 आयुवर्ग के लोगों की आबादी में हिस्सेदारी 19.1 प्रतिशत थी, परंतु 2026 में इस आयुवर्ग का प्रतिशत बढ़कर 23 प्रतिशत हो जाएगा।वर्तमान में देश की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों का प्रतिशत 9.5 है। 2036 में ऐसे लोगों की आबादी बढ़कर 13.9 प्रतिशत हो जाएगी। चौथी रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की है। इसमें कहा गया है कि अगले 25 वर्षों में भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 20.8 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। अर्थात देश में हर पांचवां व्यक्ति बुजुर्ग की श्रेणी में होगा। 2024-2050 के बीच देश की कुल आबादी 18 प्रतिशत ही बढ़ेगी, मगर वृद्ध जनसंख्या में 134 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होगी।

स रिपोर्ट के अनुसार 2022-2023 तक भारत में बुजुर्गों की आबादी 14.9 करोड़ थी। यानी कुल आबादी में इनका हिस्सा 10.5 प्रतिशत था। इस तरह देश में 100 कामकाजी लोगों पर 16 वृद्धजन निर्भर हैं। इससे देश में कामकाजी युवाओं और वृद्धजनों के बीच संतुलन के बिगड़ने की आशंका है। अभी संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम जनसांख्यिकी रिपोर्ट से पता चला है कि 2025 के अंत तक भारत की आबादी दुनिया में सर्वाधिक 1.46 अरब तक पहुंच जाएगी।

योग-क्रांति से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया शांति एवं अमन चाहती है और इसका सशक्त माध्यम है योग। इंसान से इंसान को जोड़ने, शांति का जीवन जीने एवं स्वस्थ जीवन के लिये भारतीय योग के महत्व को दुनिया ने स्वीकारा है। योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है, यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का आधार है, संयम और अहिंसा प्रदान करने वाला तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। योग के व्यापक मानवहितकारी महत्व के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिये गये अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सर्वप्रथम इसे 21 जून 2015 को पूरे विश्व में मनाया गया। इस वर्ष 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने योग दिवस की थीम 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' रखी है। इसे आसान भाषा में समझें तो 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगा' है। इसका मतलब है कि जिस तरह से पृथ्वी एक है ठीक उसी प्रकार से हमारा स्वास्थ्य भी एकमात्र है, जिसे हमें दुरुस्त रखने की जरूरत है। इसी से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव है।

आज जबकि मनुष्य जीवन अनेक असाध्य बीमारियों से जूझ रहा है, ऐसे जटिल स्वास्थ्य-संकट के दौर में इस थीम का मुख्य उद्देश्य है कि हमें हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य एकमात्र ऐसी चीज है, जिसके सहारे आप अपना स्वस्थ जीवन जीते हुए न केवल परिवार, समाज, राष्ट्र बल्कि विश्व के लिये एक ऊर्जा, एक शक्ति एवं एक गति बन सकते हो। प्रधानमंत्री मोदी ने योग को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने वाली जीवनशैली के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने समाज के सभी वर्गों में योग की पहुंच बढ़ाने और स्वस्थ, खुशहाल और अधिक सामंजस्यपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए योग को एक साधन के रूप में उपयोग करने की दिशा में संयुक्त प्रयासों की अपील की। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि अपने भीतर एकता की भावना, अहिंसा एवं शांति, दुनिया और प्रकृति की खोज है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न महासंकट से निपटने में मदद कर सकता है।

योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है। आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख स्वस्थ-शांतिपूर्ण जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है, जिसकी आज विश्व मानवता को सर्वाधिक अपेक्षा है।

एक ऐसे विश्व में रहने की कल्पना करें जहां आपकी प्रत्येक सांस मानसिक शांति, शारीरिक शक्ति और हमारे साझा ग्रह पर सद्भाव को बढ़ावा देती हो। एक समय में एक मुद्रा, एक श्वास, एक क्षण, यह जानने के लिए कि योग किस प्रकार आपके जीवन और आपके आस-पास की दुनिया को बदल सकता है, योग दिवस का मुख्य ध्येय है। मनुष्य, पशु और पौधे सहित सभी जीवित प्राणी हमारे ग्रह को अपना घर मानते हैं। हमें प्राकृतिक दुनिया के साथ शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व बनाए रखते हुए इसकी देखभाल करनी चाहिए। योग हमें सद्भावना से रहना, सचेत रहना और समझदारी-विवेक से निर्णय लेना सिखाता है। हम योग का अभ्यास करके पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। पर्यावरण की स्थिति का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जब हम अपने पर्यावरण और खुद का ख्याल रखते हैं तो सभी को फायदा होता है। विश्व अनेक स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी समस्याओं का सामना कर रहा है, जिनमें प्रदूषण, तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ शामिल हैं। योग शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक त्वरित, प्राकृतिक साधन है।

अभी कुछ दिन पहले ही समाचारपत्रों में पढ़ा कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते, उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है।

हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम अपनी कमजोरियों पर ही नहीं, बल्कि उनसे उबरने के रास्तों पर भी विचार करेंगे। यहीं से हमारी तरक्की का रास्ता खुलता है और इसके लिये योग ही प्रभावी माध्यम है। हम अपनी समस्या को समझें और अपना समाधान खोजें। समस्याएं परेशान करती हैं। जरूरत खुद को काबू में रखने की होती है, हम दूसरों को काबू में करने में जुटे रहते हैं। आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्वेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी हैं, उसका कारण भी योग का अभाव ही है। विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लडने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे।

संदीप कुमार बी. अघारा

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को 'देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है- कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं।

भूपत सांवलिया

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

किरीट ए. चावड़ा

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान् दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है।

विमान का ब्लैक बॉक्स किस जगह डिकोड होगा, यह निर्णय एएआईबी लेगा; सरकार ने किया स्पष्ट

अहमदाबाद में हादसे का शिकार हुए एअर इंडिया के विमान के ब्लैक बॉक्स को डिकोड करने के लिए अमेरिका भेजे जाने की खबरों के बीच सरकार ने स्पष्टीकरण जारी किया है। सरकार ने कहा है कि यह निर्णय एएआईबी लेगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) एअर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त ड्रीमलाइनर के ब्लैक बॉक्स को डिकोड करने के स्थान पर निर्णय लेगा। एएआईबी की एक बहु-विषयक टीम इस हादसे की जांच कर रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से यह स्पष्टीकरण ब्लैक बॉक्स को अमेरिका भेजे जाने की खबरों के बीच आया। मंत्रालय ने कहा, डिजिटल फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) का एक सेट 13 जून 2025 को दुर्घटना स्थल से बरामद हुआ और दूसरा सेट 16 जून को मिला। विमान के इस मॉडल में दो ब्लैक बॉक्स सेट हैं। स्थानीय प्राधिकारियों और एजेंसियों से सभी आवश्यक सहयोग के साथ एएआईबी जांच लगातार आगे बढ़ रही है। साइट दस्तावेजीकरण और साक्ष्य संग्रह समेत प्रमुख रिकवरी कार्य पूरा हो चुका है और आगे का विश्लेषण अब चल रहा है। नागरिक उड्डन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने तीन एयरबस विमानों के आपातकालीन उपकरणों की जांच के लिए निर्धारित तिथि से अधिक समय होने के बावजूद उड़ान भरने पर एअर इंडिया को सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के लिए चेतावनी दी है। डीजीसीए ने इस मुद्दे को हल करने में धीमी गति से काम करने के लिए भी फटकार लगाई। यह मामला मई में एअर इंडिया के तीन एयरबस विमानों की जांच से जुड़ा है। डीजीसीए की रिपोर्ट के मुताबिक मौके पर की गई जांच में पाया गया कि एस्केप स्लाइड्स के महत्वपूर्ण आपातकालीन उपकरणों पर अनिवार्य निरीक्षण के निर्धारित समय से अधिक समय होने के बावजूद उनका संचालन किया गया था। एक जांच में पाया गया कि एयरबस ए320 जेट का निरीक्षण 15 मई को किए जाने से पहले एक महीने से अधिक समय तक विलंबित रहा। एयरनेव रडार डाटा से पता चलता है कि देरी के दौरान विमान ने दुबई, रियाद और जेद्दा जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान भरी थी। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे में 270 लोगों की मौत होने के एक सप्ताह बाद 215 मृतकों की डीएनए मिलान के जरिये पहचान कर ली गई है। 198 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ राकेश जोशी ने बताया कि जो 198 शव सौंपे गए हैं उनमें 149 भारतीय, 32 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक है। 198शवों में जमीन पर मारे गए सात लोगों के पार्थिव शरीर भी शामिल हैं। कुल 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर 12 जून को लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान एआई-171 अहमदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति को छोड़कर विमान में सवार सभी यात्रियों की मौत हो गई थी और जमीन पर मौजूद लगभग अन्य 29 लोग मारे गए थे। एअर इंडिया विमान हादसे के घायलों में सबसे कम उम्र आठ महीने के ध्यानाश की हालत में सुधार हो रहा है। एक शिशु पीआईसीयू में भर्ती हैं। उसके पिता कपिल कछाड़िया ने बताया कि ध्यानाश 28 प्रतिशत जल गया था। कपिल बीजे मेडिकल कॉलेज में यूरोलॉजी में सुपर स्पेशियलिटी एमसीएच डिग्री कोर्स कर रहे। दुर्घटना और उसके बाद लगी आग की भयावहता इतनी थी कि बीजे मेडिकल कॉलेज के आवासीय फ्लैट के अंदर होने के बावजूद गर्मी से उनकी पत्नी मनीषा और बेटे ध्यानश जल गए।

एअर इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर का अच्छी तरह से रखरखाव किया गया था। इसकी आखिरी बड़ी जांच जून 2023 में की गई थी और अगली जांच इस साल दिसंबर में होनी है। उड़ान से पहले विमान और उसके इंजन में कोई समस्या नहीं दिखी। यात्रियों को दिए संदेश में उन्होंने यह भी कहा कि अगले कुछ हफ्तों के लिए एअर इंडिया के अंतरराष्ट्रीय वाइड-बॉडी बेड़े के संचालन में 15 फीसदी की कटौती एक अस्थायी कदम है। विल्सन ने कहा, विमान के दाहिने इंजन की मार्च 2025 में मरम्मत की गई थी और बाएं इंजन की अप्रैल 2025 में जांच हुई थी।

केरल हाईकोर्ट का राज्य सरकार से सवाल, पूछा- क्या काले जादू के खिलाफ कानून बनाने पर विचार किया जा रहा?

केरल हाईकोर्ट में केरल युक्तिवादी संघम नामक संगठन ने याचिका दायर की थी। इसमें इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ कानून बनाने की मांग की गई थी। अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह अपने पहले के रुख के संबंध में एक हलफनामा दायर करे। मामले की अगली सुनवाई 24 जून तय की।

काले जादू और जादू टोना के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल पूछा है। पीठ ने सवाल दागा कि क्या केरल सरकार अपने पुराने रुख के मुताबिक काला जादू और टोना-टोटका जैसी बुरी प्रथा के खिलाफ कानून बनाने पर विचार कर रही है?

केरल हाईकोर्ट में केरल युक्तिवादी संघम नामक संगठन ने याचिका दायर की थी। इसमें इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ कानून बनाने की मांग की गई थी। मामले में अक्टूबर 2022 में केरल सरकार ने दलील दी थी कि वह काले जादू और टोना टोटका के खिलाफ कानून बनाएगी। इसके बाद याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई भी व्यक्ति न होने के कारण याचिका जून 2023 में खारिज कर दी गई थी, लेकिन बाद में इसे बहाल कर दिया गया।

तीन जून को याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश नितिन जामदार और न्यायमूर्ति बसंत बालाजी की खंडपीठ ने सरकार को निर्देश दिया कि वह अपने पहले के रुख के संबंध में एक हलफनामा दायर करे। मामले की अगली सुनवाई 24 जून तय की।

याचिका में क्या कहा गया?

2022 में केरल के पथानामथिट्टा जिले में एक जोड़े सहित तीन लोगों द्वारा दो महिलाओं की मानव बलि दिए जाने की घटना के बाद केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) केटी थॉमस की अध्यक्षता में बने कानून सुधार आयोग ने वर्ष 2019 में केरल राज्य को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें नई सामाजिक स्थितियों पर आधारित विधायी सिफारिशें शामिल थीं।

संगठन ने दावा किया कि केरल अमानवीय दुष्ट प्रथाओं, जादू-टोना और काला जादू रोकथाम और उन्मूलन विधेयक-2019, अनुशंसित कानूनों में से एक है।

'ओसामा को इतनी जल्दी कैसे भूल गए?', डोनाल्ड ट्रंप और मुनीर के लंच पर शशि थरूर का तंज

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के मुलाकात पर तंज कसा।

साथ ही उन्होंने मुनीर और टंप के लंच को लेकर चिंता जताते हुए अमेरिका को ओसामा बिन लादेन की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की दोहरी नीति पर भरोसा नहीं किया जा सकता और भारत में आतंक फैलाने वालों को रोकना जरूरी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की दुर्लभ मुलाकात की चर्चा तेज हो रही है। इसी बीच इस मामले में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अमेरिका को याद दिलाया कि ओसामा बिन लादेन, जिसने 2001 में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला किया था और करीब 3,000 लोगों की जान ली थी, पाकिस्तान की सेना के कैंप के पास छिपा मिला था।

थरूर ने कहा कि कुछ अमेरिकी सांसदों ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, लेकिन पूरे अमेरिका को यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान ने ओसामा जैसे आतंकवादी को पनाह दी थी।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की दोहरी नीति पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए, जिसने अमेरिका पर हमले के दोषी को छिपा रखा था और भारत में आतंक फैलाने वालों को समर्थन देता है।

भारत के खिलाफ आतंक पर दी चेतावनी

थरूर ने उम्मीद जताई कि ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को यह स्पष्ट संदेश दिया होगा कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को समर्थन देना बंद करें। उन्होंने कहा कि आशा है कि जनरल को खाने के साथ यह सख्त संदेश भी मिला होगा, क्योंकि यह अमेरिका के हित में भी है।

ट्रंप और मुनीर की दुर्लभ मुलाकात

बता दें कि ट्रंप-मुनीर की इस मुलाकात को एक दुर्लभ मुलाकात माना जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि जनरल मुनीर ने हाल ही में कश्मीर को पाकिस्तान की शिरा बताया और पाकिस्तानी संस्कृति को भारतीयों से उच्चतर करार दिया था। यह बयान कुछ ही दिन पहले हुए पहलगाम आतंकी हमले से पहले दिया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

पीएम की सख्ती के बावजूद, ट्रंप बेअसर

गौरतलब है कि जनरल मुनिर का व्हाइट हाउस दौरा राष्ट्रपति ट्रंप के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात करने के अगले दिन तय था। प्रधानमंत्री मोदी, जो कि कनाडा में जी7 सम्मेलन में थे, व्हाइट हाउस के निमंत्रण को स्पष्ट कारणों से ठुकरा दिया। फोन पर बातचीत में मोदी ने साफ कह दिया कि भारत कश्मीर के पाकिस्तान के अवैध कब्जे को हल करने के लिए तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कभी नहीं मांगेगा।

यह कड़ा बयान उस समय आया जब ट्रंप ने बार-बार दावा किया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को खत्म कराने में भूमिका निभाई है। हालांकि भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका था कि पाकिस्तान ने ही युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था।

प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश ट्रंप पर कोई खास असर नहीं दिखा, क्योंकि कुछ घंटों बाद ट्रंप ने फिर से युद्धविराम का श्रेय लेने की कोशिश की और मीडिया पर अपनी भूमिका को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

चुनाव प्रक्रिया के वीडियो डिलीट करने का निर्देश, आयोग बोला इनके जरिए भ्रम फैलाया जा रहा

चुनाव आयोग ने अब राज्य चुनाव प्रमुखों से कहा है कि सीसीटीवी डेटा, वेबकास्टिंग डेटा और विभिन्न चरणों में चुनाव प्रक्रियाओं की फोटोग्राफी को 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जाएगा।

चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान के इलेक्ट्रॉनिक डेटा जैसे वीडियो, सीसीटीवी फुटेज आदि को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के 45 दिन बाद नष्ट कर दें। चुनाव आयोग का कहना है कि उनके वीडियो फुटेज का इस्तेमाल दुर्भावना और भ्रम फैलाने के लिए किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने राज्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि 45 दिन की अवधि के भीतर अदालतों में चुनाव नतीजों को चुनौती नहीं दी जाती है, तो वे 45 दिनों के बाद चुनाव प्रक्रिया के सीसीटीवी कैमरा, वेबकास्टिंग और वीडियो फुटेज को नष्ट कर दें।

चुनाव आयोग ने 30 मई को राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा था कि 'उसने चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई रिकॉर्डिंग उपकरणों - फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, सीसीटीवी और वेबकास्टिंग के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को रिकॉर्ड करने के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि चुनाव संबंधी कानून ऐसी रिकॉर्डिंग को अनिवार्य नहीं करते हैं, लेकिन आयोग आंतरिक प्रबंधन के लिए इनका उपयोग करता है। हालांकि, सोशल मीडिया पर गलत सूचना और दुर्भावनापूर्ण बातें फैलाने के लिए इस सामग्री का दुरुपयोग किया गया है। जिसके कारण समीक्षा की जरूरत है।' चुनाव आयोग ने अब राज्य चुनाव प्रमुखों से कहा है कि सीसीटीवी डेटा, वेबकास्टिंग डेटा और विभिन्न चरणों में चुनाव प्रक्रियाओं की फोटोग्राफी को 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जाएगा। आयोग ने कहा है कि 'अगर किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में कोई चुनाव याचिका दायर नहीं की जाती है, तो उक्त डेटा को नष्ट किया जा सकता है।'

कोई भी व्यक्ति 45 दिनों के भीतर संबंधित उच्च न्यायालय में चुनाव फैसले को चुनौती देने वाली याचिका दायर कर सकता है। पिछले साल दिसंबर में, सरकार ने भी सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज, साथ ही उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में बदलाव किया, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले कागजात या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके।

एअर इंडिया की चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत आठ फ्लाइट्स रद्द; रखरखाव परिचालन संबंधी वजह से फैसला

एअर इंडिया ने शुक्रवार को विमान की जांच, रखरखाव, खराब मौसम और हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों की वजह से कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें रद्द कर दी हैं। भावित उड़ानों में दुबई, मेलबर्न, चेन्नई, दिल्ली, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद और मुंबई के बीच की सेवाएं शामिल हैं।

एअर इंडिया ने एक बार फिर अपनी कई उड़ान सेवाएं रद्द कर दी हैं। एयरलाइन की ओर से अब तक चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत आठ फ्लाइट्स को रद्द करने की सूचना दी गई है। एयरलाइन ने बताया कि शुक्रवार को रखरखाव और परिचालन संबंधी कारणों से एअर इंडिया ने चार अंतरराष्ट्रीय सेवाओं सहित आठ उड़ानें रद्द कर दी हैं। यात्रियों के लिए जल्द से जल्द अपने गंतव्यों तक उड़ान भरने के लिए ग्राउंड पर उसकी टीमें वैकल्पिक व्यवस्था कर रही हैं।

एयरलाइन ने कहा कि उसने यात्रियों को टिकट रद्द करने पर पूरे पैसों की वापसी या यात्रा को फिर से निर्धारित करने की पेशकश की है। रद्द की जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानें दुबई से चेन्नई के लिए AI-906, दिल्ली से मेलबर्न के लिए AI-308, मेलबर्न से दिल्ली के लिए AI-309 और दुबई से हैदराबाद के लिए AI-2204 थीं। ऐसे ही चार घरेलू उड़ानें पुणे से दिल्ली के लिए AI-874, अहमदाबाद से दिल्ली के लिए AI-456, हैदराबाद से मुंबई के लिए AI-2872 और चेन्नई से मुंबई के लिए AI-571 रद्द कर दी गई हैं।

एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति अपनी वेबसाइट पर देखें या अपडेट के लिए ग्राहक सेवा नंबर पर कॉल करें। बयान में आगे कहा गया, 'विमानों पर बढ़ी जांच, हवाई क्षेत्र प्रतिबंध और खराब मौसम के कारण हम कुछ व्यवधानों से जूझ रहे हैं, जिसके बारे में यात्रियों को उचित रूप से सूचित किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ानों की स्थिति यहां हमारी वेबसाइट पर देखें। वे हमारे ग्राहक केंद्र पर 011-69329333, 011-69329999 पर कॉल भी कर सकते हैं।

बीते दिन भी दी थी अहम जानकारी

इससे पहले एअर इंडिया ने गुरुवार को कहा था कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम की जाएंगी और तीन विदेशी गंतव्यों पर उड़ानें निलंबित की रहेंगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहा था कि इसका उद्देश्य यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है। दरअसल, अहमदाबाद हादसे के बाद एयरलाइन ने अपने विमानों की जांच बढ़ा दी है और एहतियातन कई कदम उठा रही है। इससे पहले 12 जून को हुए घातक विमान हादसे में विमान में सवार 241 और घटनास्थल पर मौजूद तकरीबन 29 लोगों की मौत हुई थी।

21 जून से 15 जुलाई तक सेवाएं होंगी प्रभावित

ये घोषणा उस समय की गई है जब एक दिन पहले एयरलाइन ने कहा था कि वह अस्थायी रूप से बड़े आकार वाले विमानों से संचालित उड़ानों में 15 प्रतिशत की कटौती करेगी। एयरलाइन ने बयान में कहा, 'ये कटौती 21 जून, 2025 से प्रभावी होगी और कम से कम 15 जुलाई, 2025 तक जारी रहेगी।'

हादसे के बाद डीएनए मैच से अब तक 220 शवों की हुई पहचान, 202 पार्थिव शरीर परिजनों को सौंपे गए

अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश के एक हफ्ते बाद भी शवों की पहचान और उन्हें परिजनों को सौपनें की प्रक्रिया जारी है। अब तक 220 शवों की पहचान हो चूंकी है और 202 शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।एअर इंडिया प्लेन क्रैश के एक सप्ताह बाद भी डीएनए मिलान से शवों की पहचान की जा रही है। शुक्रवार को गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने बताया कि अब तक 220 शवों की पहचान हो गई है और उनमें से 202 के पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। अहमदाबाद में हुई इस दुर्घटना में 270 लोगों की मौत हो गई थी।स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि इन 202 पीड़ितों में 160 भारतीय शामिल हैं, जिनमें से 151 यात्री थे, सात पुर्तगाली नागरिक, 34 ब्रिटिश नागरिक और एक कनाडाई नागरिक थे। 15 शवों को हवाई मार्ग से उनके घरों पर भेजे गए, जबकि 187 शव सड़क मार्ग से ले जाए गए। बचे हुए शवों की पहचान की जारी है।अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइन विमान 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास एक मेडिकल कॉम्प्लेक्स से टकरा गया था। इस त्रासदी में विमान में सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 29 लोगों की जान चली गई थी।

ईरान-इस्राइल संघर्ष अगर लंबा खिंचा तो भारत पर क्या होगा असर? सरकार कर रही समीक्षा

होर्मुज जलडमरूमध्य कुछ जगहों पर सिर्फ 21 मील चौड़ा ही है और यहां से पूरी दुनिया के कुल तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी तेल आयात करता है। ऐसे में होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाला व्यापार भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से बेहद अहम है।

वाणिज्य मंत्रालय शुक्रवार को एक अहम बैठक करने जा रहा है। इस बैठक में ईरान-इस्राइल युद्ध के हालात और उसके भारत पर असर की समीक्षा की जाएगी। इस बैठक में हितधारक, शिपिंग लाइंस, निर्यातक, कंटेनर फर्म्स और अन्य विभागों के लोग शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता वाणिज्य मंत्रालय के सचिव सुनील बर्थवाल करेंगे। बर्थवाल ने कहा कि भारत हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

व्यापार पर होगा गहरा असर

निर्यातकों का कहना है कि ईरान और इस्राइल की लड़ाई अगर लंबी चलती है तो इससे दुनियाभर के व्यापार पर असर होगा और हवाई और समुद्री तरीके से सामान भेजने की लागत बढ़ जाएगी। आशंका है कि दोनों देशों के संघर्ष का असर समुद्री नौवहन पर भी होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही बाधित हो सकती है। भारत को दो तिहाई कच्चा तेल और आधा एलएनजी आयात होर्मुजत जलडमरूमध्य से ही होता है। युद्ध के चलते ईरान ने इसे बंद करने की धमकी दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य कुछ जगहों पर सिर्फ 21 मील चौड़ा ही है और यहां से पूरी दुनिया के कुल तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी तेल आयात करता है। ऐसे में होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाला व्यापार भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से बेहद अहम है।

तेल के दाम बढ़ने से बढ़ सकती है महंगाई

थिंक टैंक जीटीआरआई के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापार बाधित होने से दुनियाभर में तेल के दाम तेजी से बढ़ेंगे।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में नौकासन है असरदार

विश्व योग दिवस आज

- रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने में भी सहायक
- मधुमेह जैसी बीमारी से लड़ने में भी मददगार

की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने शरीर और सेहत को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जंक फूड, देर रात तक जागना और तनाव भरी दिनचर्या से बीमारियां धीरे-धीरे घर करने लगती हैं। ऐसे में योग एक प्राकृतिक समाधान है, जो न सिर्फ शरीर को संतुलित करता है, बल्कि मन को भी सुकून देता है। नौकासन एक ऐसा योगासन है, जिसका रोजाना कुछ मिनट अभ्यास करने से शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है। नौकासन शब्द दो संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है, जिसमें 'नौका' का मतलब 'नाव' है और 'आसन' का अर्थ है मुद्रा। इस योगासन के अभ्यास में आपका शरीर नाव की आकृति जैसा बनता है। पेट की चर्बी कम करने से लेकर रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने तक इस योगासन के अनेक फायदे हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, नौकासन एक प्रभावी योगासन है, जो शरीर को मजबूत और संतुलित बनाने में मदद करता है। इसे करते समय पेट, पीठ और जांघों की मांसपेशियों पर सीधा असर पड़ता है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है। यही नहीं, रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने में भी यह सहायक होता है। यह आसन न सिर्फ शारीरिक ताकत बढ़ाता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। नौकासन का अभ्यास पाचन तंत्र को सक्रिय करने में मदद करता है। यह योगासन पेट की मांसपेशियों पर बल डालता है, जिससे पाचन अंगों में हल्का दबाव पड़ता है और वह अधिक सक्रिय हो जाते हैं। इससे खाना ठीक से पचता है और गैस, कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। जब पाचन क्रिया बेहतर होती है, तो शरीर की ऊर्जा भी बढ़ने लगती है। यह योगासन स्थिरता बढ़ाने में मददगार है। इसे करते समय पूरे शरीर को नाव की आकृति में संतुलित करना पड़ता है, जिससे शरीर की पकड़ और नियंत्रण बेहतर होता है। यह अभ्यास हमारी एकाग्रता को भी बढ़ाता है, क्योंकि शरीर को कुछ समय तक उसी स्थिति में स्थिर रखना होता है। रोजाना इसका अभ्यास करने से न केवल शरीर मजबूत होता है, बल्कि मानसिक स्थिरता और आत्मविश्वास में भी सुधार आता है।

गले की समस्याओं को दूर करने में कारगर 'सिंहासन'

सिंहासन एक प्रभावी और सरल आसन है। सेहत के लिए बेहद फायदेमंद यह आसन न केवल चेहरे और गले की मांसपेशियों को मजबूत करता है, बल्कि आत्मविश्वास और तनावमुक्ति में भी मदद करता है। सिंहासन चेहरे, गले और थायराइड ग्रंथि के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। यह गले की मांसपेशियों को सक्रिय करके थायराइड और पैराथायराइड ग्रंथियों के काम को संतुलित करता है, जो हार्मोनल के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह आसन चेहरे की झुर्रियों को कम करने, जबड़े की जकड़न को दूर करने और आवाज को स्पष्ट करने में भी मदद करता है। गायकों, शिक्षकों और वक्ताओं के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी है, क्योंकि यह गले की समस्याओं जैसे टॉन्सिलाइटिस और खराश को कम करता है।

छत्तीसगढ़ योग आयोग के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर किए गए पोस्ट के अनुसार, सिंहासन से शरीर के विभिन्न भागों जैसे चेहरा, आंख, कान, जीभ, गले, छाती और अंगुलियों को लाभ मिलता है। तनाव कम होता है। यह मुद्रा एक एंटी-एजिंग थेरेपी के रूप में कार्य करती है। चेहरे पर रक्त परिसंचरण में सुधार होता है और झुर्रियों को भी कम करता है। सिंहासन की प्रक्रिया में नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है। यह आत्मविश्वास बढ़ाने और मानसिक स्पष्टता प्रदान करने में भी मदद करता है।

बारिश के मौसम में हाइड्रेट रखेगा नींबू और चुटकी भर सेंधा नमक

चार्ल्स पटेल

- पानी में नींबू और चुटकी भर सेंधा नमक मिलाकर पीना चाहिए
- नींबू विटामिन-सी और सेंधा नमक इलेक्ट्रोलाइट्स की करता है पूर्ति

का मौसम अपनी ठंडी फुहारों के साथ तन-मन को तरोताजा कर देता है, लेकिन यह मौसम अपने साथ डिहाइड्रेशन और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी लाता है। हालांकि, मानसून में प्यास कम लगने की समस्या आम है, जिसे आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इन समस्याओं से निजात दिलाने में नींबू और सेंधा नमक फायदेमंद है।

सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा बताती हैं कि बारिश के मौसम में प्यास नहीं लगती तो इसका मतलब यह नहीं कि शरीर को पानी की जरूरत नहीं है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया, जिसमें बताया कि नमी और ठंडक के कारण पसीना जल्दी नहीं सूखता, जिससे दिमाग को प्यास का एहसास कम होता है। फिर भी, शरीर से पानी और जरूरी मिनरल्स निकलते रहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप थकान, सुस्ती, भूख की अधिक इच्छा या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पूजा मखीजा ने बताया कि हाइड्रेशन का मतलब सिर्फ प्यास बुझाना नहीं, बल्कि शरीर को सुचारु रूप से कार्य करने के लिए पर्याप्त पानी और पोषक तत्व प्रदान करना है। मानसून में बारिश और नमी के कारण हमारा दिमाग गलत संकेत लेता है और सोचता है कि शरीर को पानी की जरूरत नहीं है। लेकिन, वास्तव में शरीर से पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की हानि होती रहती है, जो स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। ठंडा और नम मौसम प्यास के संकेतों को दबा देता है, जिससे हम पानी पीना भूल जाते हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए एक्सपर्ट सलाह देती हैं कि पानी में नींबू और चुटकी भर सेंधा नमक मिलाकर पीना चाहिए। यह मिश्रण सादे पानी की तुलना में शरीर को बेहतर हाइड्रेट करता है, क्योंकि नींबू विटामिन-सी और एंटीऑक्सिडेंट्स प्रदान करता है, जबकि सेंधा नमक इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करता है। यह शरीर में पानी के अवशोषण को बढ़ाता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है। साथ ही वह सुझाव देती हैं कि पानी की बोतल हमेशा अपने पास रखें, ताकि पीने की याद बनी रहे।

सलमान खान के गानों पर फिदा हुईं कृति सेनन

तारीफ करते हुए कहा कि क्या म्यूजिक है यार

मुंबई, (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन खुद 90 के दशक के गानों की फैन हैं। हाल ही में उन्हें बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के मशहूर गाने 'जानम समझा करो' और 'प्यार दिलों का मेला है' पर झूमते हुए देखा गया। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी वैनिटी वैन में तैयार होती दिख रही हैं। मेकअप करवाते समय वह साल 1999 के हिट गाने 'जानम समझा करो' के बोल गुनगुना रही हैं। यह गाना सलमान खान और उर्मिला मातोंडकर पर फिल्माया गया था।

इस वीडियो में कृति मजे से गाने का आनंद ले रही हैं और इसे गुनगुनाती भी दिख रही हैं। इस गाने को लेकर कृति सेनन कहती हैं, मुझे यह गाना बहुत पसंद है। इसके आगे वह इस गाने के संगीत की तारीफ करते हुए वह कहती हैं, क्या म्यूजिक है यार!

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन और रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर ओलंपिक डे 2025 मनाया

नई दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का वैश्विक अभियान **'Let's Move'** इस ओलंपिक डे (23 जून) को **'Let's Move +1'** के नए संस्करण के साथ भारत लौट आया है। इस अभियान को अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन और रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष का थीम एक साथ चलने-फिरने की खुशी और प्रेरणा पर केंद्रित है—जो भारत के लोगों को खेल के ज़रिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की शक्ति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है।

23 जून को ओलंपिक डे के अवसर पर, यह अभियान खेल या कसरत को किसी और के साथ मिलकर करने के फायदों को उजागर करता है—लोगों को पहला कदम उठाने और किसी दोस्त, भाई-बहन, सहकर्मी या परिवार के सदस्य को साथ लाने के लिए प्रेरित करता है। इस दिन को खास बनाने के लिए भारत भर में 50 से अधिक खेल स्थानों को जनता के लिए नि:शुल्क खोला जाएगा, जहाँ लोग जोड़ी में फुटबॉल, पैडल, क्रिकेट, बैडमिंटन और पिकलबॉल जैसे खेलों का आनंद ले सकेंगे। कोई भी भाग ले सकता है—बस अपने +1 को साथ लाएं और मिलकर चलें-फिरें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2024 के अनुसार, भारत में लगभग 50 प्रतिशत वयस्क और वैश्विक स्तर पर 81 प्रतिशत युवा अनुशंसित शारीरिक गतिविधि स्तर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। दूसरों के साथ गतिविधियों में भाग लेने से लोगों को शुरुआत करने और उसे जारी रखने में मदद मिलती है—साझा लक्ष्य, प्रोत्साहन और आनंद के माध्यम से। खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं है, यह दूसरों के साथ समय बिताने, जुड़ाव महसूस करने और समुदाय बनाने का अवसर भी है। यह सामाजिक जुड़ाव की भावना पैदा कर सकता है और अकेलेपन से लड़ने में मदद कर सकता है—जो कि डब्ल्यूएचओ के अनुसार आज के समय में लोगों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चिंता है—और मानसिक स्वास्थ्य को भी सहयोग करता है।

जीवन को रंग, लय और भावनाओं से भर देता है म्यूजिक

महेक जोबनपुत्रा

नई दिल्ली, वह जादू है जो न केवल दिलों को जोड़ने का काम करता है बल्कि आत्मा को भी सुकून देता है। यह एक ऐसी अनमोल धरोहर है जो सीमाओं, संस्कृतियों और समय को पार करके हर इंसान के भीतर की भावनाओं को उजागर करता है। चाहे वह रागों की गहराई हो, लोक धुनों की सादगी हो या आधुनिक बीट्स का जोश, संगीत हर रूप में जीवन को रंग, लय और भावनाओं से भर देता है। विश्व संगीत दिवस (21 जून) पर संगीत से जुड़ी कुछ खासियतों के बारे में जानते हैं।

विश्व संगीत दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है, जिसे 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। 'फेटे डी ला म्यूजिक' का अर्थ है 'संगीत उत्सव'।

विश्व संगीत दिवस

यह दिन संगीत की विविधता, रचनात्मकता और एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसकी शुरुआत साल 1982 में फ्रांस में हुई, जब फ्रांसीसी संस्कृति मंत्री जैक लैंग ने संगीत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस उत्सव की नींव रखी थी। इसके बाद से ही इस उत्सव को मनाने की शुरुआत हुई।

पहला विश्व संगीत दिवस 21 जून 1982 को फ्रांस में मनाया गया। यह तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि यह ग्रीष्म संक्रांति यानि समर सोल्स्टिस का दिन है, जो उत्तरी गोलार्ध में सबसे लंबा दिन होता है और उत्सव के लिए उपयुक्त माना जाता है। 1980 के दशक के अंत तक फ्रांस में इसकी सफलता के बाद, यह उत्सव यूरोप के अन्य देशों जैसे जर्मनी, इटली और स्पेन में फैल गया।

1980 के दशक के अंत तक फ्रांस में इसकी सफलता के बाद, यह उत्सव यूरोप के अन्य देशों जैसे जर्मनी, इटली और स्पेन में फैल गया। 1997 तक इसे विश्व संगीत दिवस के रूप में मान्यता मिली और 100 से अधिक देशों ने इसमें हिस्सा लेना शुरू किया। दुनियाभर के 120 से अधिक देशों में यह दिन उत्सव के रूप में मनाया जाता है। फ्रांस, भारत, अमेरिका, ब्राजील और अफ्रीकी देशों समेत कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर आयोजन होते हैं। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य अलग-अलग तरीके से लोगों को संगीत के प्रति जागरूक करना है, ताकि लोगों का विश्वास संगीत से न उठे।

वहीं, भारत में यह दिन विभिन्न शहरों में संगीत समारोहों, स्थानीय बैंड परफॉर्मेंस और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। शास्त्रीय संगीत, बॉलीवुड और क्षेत्रीय संगीत की प्रस्तुतियां इस अवसर को और भी खास बनाती हैं। कई संगीत स्कूल और संगठन इस दिन विशेष कार्यशालाएं और परफॉर्मेंस भी आयोजित करते हैं। विश्व संगीत दिवस की कोई आधिकारिक थीम नहीं होती है, लेकिन स्थानीय आयोजक अक्सर अपनी थीम चुनते हैं ताकि इस अनमोल कला को पूरी दुनिया में अच्छी तरह से सेलिब्रेट किया जा सके।

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

ग्रेटर नोएडा, 20 जून (देशबन्धु)। गलगोटिया विवि के तत्वावधान में कैंपस एक्स की शुरुआत की। यह छात्रों और युवा इनोवेटर्स के बीच उद्यमशीलता की भावना को जगाने के लिए डिजाइन की गई पैनल चर्चाओं की कड़ी है। इस कार्यक्रम में 4 पावर-पैक सत्र शामिल किए गए। इनमें से प्रत्येक में प्रमुख स्टार्टअप संस्थापकों की व्यक्तिगत यात्रा, चुनौतियों, अंतर्दृष्टि और सलाह पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर डॉ. ध्रुव गलगोटिया, सीईओ, गलगोटिया विश्वविद्यालय ने कहा कि हमारे संस्थान में स्टार्टअप्स को लेकर हो रहे प्रयास फलीभूत हो रहे हैं। संस्थान में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए पूरा ईको सिस्टम बनाया गया है। इसकी वजह से संस्थान के छात्र स्टार्टअप्स को लेकर उत्साहित हैं और इस दिशा में अच्छा और सफल प्रयोग कर रहे हैं। इस दौरान सत्र एक में नितिन जैन (सह-संस्थापक, ऑफबिजनेस) ने कॉरपोरेट सेक्टर से उद्यमिता तक के अपने विकास को साझा किया। उन्होंने स्टार्टअप संस्कृति पर जोर देते हुए सीखने की मानसिकता रखने, वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के बारे में विचार रखे। उन्होंने नेटवर्किंग के महत्व पर भी जोर दिया। वहीं, पुनीत गुप्ता (संस्थापक, एस्ट्रोटॉक) ने ज्योतिष में संदेहवादी से विश्वासी बनने के अपने परिवर्तन को साझा किया।

अयोध्या में राम की तिलोदकी गंगा नदी को भी लील लिया लालची व्यवस्था ने

धार्मिक ग्रंथों व सरकारी अभिलेखों में दर्ज नदी के वजूद पर मुखर नहीं संत समाज

- एअरपोर्ट के लिए नाले में तब्दील कर दिया गया नदी का स्वरूप, गायब हो गईं ताल तलैया झीलें
- नदियों का मरना, मनुष्यता की सबसे बड़ी पराजय-अरुण प्रकाश, धर्मदर्शन विद्वान

तिलोदकी गंगा को लालची व्यवस्था ने मार दिया है। आवाज़ उठती है तो कुछ प्रशासनिक प्रयासों के जरिए नदी उद्धार के प्रयास को वेंटिलेटर पर डाल दिया जाता है। अयोध्या में राम के आने का दावा तो ठोंका जा रहा है लेकिन तिलोदकी नदी पर अयोध्या का संत समाज भी मुखर नहीं है। लगभग पैंतालीस किमी लंबी नदी का तेरह किमी हिस्सा अयोध्या नगरनिगम क्षेत्र में आता है। प्रशासन इसे कभी नाला तो कभी नदी बता देता है। एअरपोर्ट की गतिविधियों में रुकावट न हो सो नदी के लगभग पांच किमी हिस्से का भू उपयोग बदलते हुए पक्के नाले में तब्दील कर दिया गया है। नदी को बल प्रदान करने वाले ताल तलैया, झीलें भूमाफियाओं व राजस्व काकस की भेंट चढ़ गईं हैं।

नदियों के प्रवाह में भारतीय मनीषा ने अपने स्व का बहना देखा है। नदियां संस्कृति प्रसूता हैं। नदियां मर जाएंगी, तो स्व का क्षरण हो जाएगा, संस्कृति मर जाएगी। नदियों के सूखने से बस मैदान ही नहीं मरेंगे, परंपराएं भी मर जाएंगी। नदियों का प्रवाह मरेगा तो उसके कलकल से उठा जीवन का संगीत मर जाएगा। तिलोदकी गंगा एक पौराणिक नदी है। देश काल और परिस्थितियों के प्रभाव से जन सामान्य में तिलोदकी गंगा का अपभ्रंश तिलैया नाम प्रचलित हो गया। तिलोदकी नदी का वर्णन स्कंद पुराण के वैष्णव खंड के अयोध्या महात्म में है। इसे सम्भेद नामक तीर्थ से संबोधित किया गया है। सम्भेद तीर्थ की सोमवत्सरी यात्रा के लिए भाद्रपद मास की अमावस्या की तिथि बताई गई है। हजारों वर्षों पहले की यह मान्यता आज भी कायम है। लिखा गया है कि जो मनुष्य तिलोदकी संगम के अतिरिक्त अन्य स्थलों पर भी तिलोदकी में स्नान करता है वह सात जन्मों में अर्जित पापों से विमुक्त हो जाता है।

तिलोदकी गंगा नदी सोहावल ब्लॉक के गौरा ब्रह्मनान, अरथर, पंडितपुर, भिखारीपुर, मोइयाकपूरपुर ग्राम पंचायतपुर से, मसौधा ब्लॉक के हूंसेपुर, मानापुर, रायपुर, बल्लीपुर, सरियावां, गोपालपुर, बिछिया, मउयदुर्वशपुर और टोनिया,गंजा, जनौरा पूराबाजार ब्लॉक में रहे, भीखापुर, रानोपाली, आशापुर, मक्खापुर, तकपुरा, जियनपुर, हैबतपुर, बागबिजेसर, काजीपुर, जयसिंहपुर, आशिफ बाग माझा, शाहनेवाजपुर, तिहुरा माझा, माझा रामपुर हलवारा, सरायरासी, राजेपुर मांझा, मणिपर्वत से रामायणा होटल के आगे नव्य अयोध्या होते हुए सरयू में मिलती है। राजस्व अभिलेख, राजस्व विभाग के अधीन होते हैं। नदी राष्ट्रीय संपत्ति है। नदी के जीर्णोद्धार का कार्य प्रशासन और विकास विभाग ने इसे तिलोदकी गंगा नदी मानते हुए ही शुरू कराया था, जो समय, समय पर मीडिया की सुर्खियां बनता रहता है। मनरेगा और प्रशासन के पत्राचार इसकी पुष्टि करते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एयरपोर्ट के निर्माण के लिए तिलोदकी गंगा जैसी पौराणिक नदी के अस्तित्व को नष्ट करने का प्रयास करके पर्यावरण को भीषण क्षति पहुंचाई गई है। जिसके कारण केवल सभ्यता, पौराणिकता को क्षति पहुंचाया गया बल्कि जल प्रवाह को बाधित करके इस पर आश्रित आसपास के गांव को के रहन-सहन को प्रभावित किया गया। जल जमाव और फैक्ट्री से निकले दूषित पानी से होने वाली बीमारियों को धकेल दिया गया। नदी पर आश्रित पशु, पक्षियों, जलचर के जीवन को प्रभावित किया गया।

राज के.वेगड़

धर्म दर्शन के ज्ञाता अरुण प्रकाश तिलोदकी नदी के सवाल पर कहते हैं कि नदियों का मरना मनुष्यता की सबसे बड़ी पराजय है। खोजी पत्रकार उमेश सिंह कहते हैं कि अवध मे एक नदी थी तिलोदकी। इसे तिलोदकी गंगा भी कहते हैं। यह सरयू से मिलने अयोध्या आती थी। अयोध्या मे तिलोदकी मेला अब भी लगता है। फैजाबाद का पंडितपुर गांव उद्गम स्थल है। रमणक ऋषि की तपभूमि है। अंग्रेज़ी राज ने सौ बरस पहले स्थान को खोजा। प्रस्तर स्तंभ भी लगाया लेकिन तिलोदकी तो इतिहास के पन्ने मे चली गई। तिलोदकी गंगा के अस्तित्व को बचाने के लिए कई सामाजिक कार्यकर्ता दुर्गा यादव, अवधेश सिंह, अभिषेक सांवत सक्रिय हैं।

अब जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने तिलोदकी गंगा के जीर्णोद्धार कार्य का बीड़ा उठाया है। यह कार्य बेहद कठिन है।

जिलाधिकारी ने तिलोदकी गंगा उदगम स्थल, ग्राम पंचायत पंडितपुर में ऋषि रमड़ीक तपोस्थली और समदा झील का स्थलीय निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। ऐसा हुआ तो अयोध्या की सेहत और सुंदरता में चार चांद लग जाएंगे, क्योंकि पूरी नदी को भूमाफियाओं व व्यवस्था ने लील लिया है। बस वो ना हो जो पूर्व में व अभी तक होता आया है। पूर्व जिलाधिकारी अनिल पाठक के नेतृत्व में भी तमसा के उद्धार का कार्य प्रारंभ किया गया था लेकिन उनके जाने के बाद सब ठप्प पड़ गया। घोषणा हुई थी कि अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में तिलोदकी के तट पर चार किलोमीटर की दूरी में रामायणकालीन आठ हजार पौधे रोपे जाएंगे, घोषणा हवाई हो गई। नदी के तटों पर भवन बन गए हैं फिर भी कुछ लोगों को लगता है कि रामलला आ गए हैं तो तिलोदकी गंगा भी आ जाएगी।

हितेश भारद्वाज ने बताया 'आमी डाकिनी' के सेट का वो सीन, जब पूरा क्रू रह गया था सन्न

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन जल्द लेकर आ रहा है 'आमी डाकिनी' एक ऐसी प्रेम कहानी जो वक्त और जनमों की सीमाएं पार कर जाती है।

ये शो सिर्फ थ्रिल और सस्पेंस से भरा नहीं है, बल्कि इसकी कहानी में भावनाओं की भी गहराई है, जो दर्शकों को जोड़कर रखेगी।जैसे-जैसे शो को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ रहा है, वैसे-वैसे लोगों की उत्सुकता भी बढ़ती जा रही है कि इसमें क्या खास होने वाला है। इस बीच, शो में अयान का किरदार निभा रहे हितेश भारद्वाज ने शूटिंग के दौरान का एक बेहद यादगार लम्हा शेयर किया है।अयान एक तेज-तर्रार, आज के दौर का एंटरप्रेन्योर है। अपने शूटिंग के सबसे यादगार पलों में से एक को याद करते हुए हितेश भारद्वाज ने बताया, ₹एक सीन था मीरा (राची) और मेरे बीच, जिसमें हमें एक-दूसरे पर बहुत गुस्सा होना था। इमोशन्स इतने रियल थे कि हम दोनों उस पल में पूरी तरह डूब गए। सीन खत्म होते ही कुछ पल के लिए सन्नाटा छा गया... और फिर पूरी टीम ने तालियां बजाईं। वो पल बहुत खास था, जैसे कुछ सच में हो गया हो।"उन्होंने आगे कहा, ₹और एक और सीन शीन के साथ था, मुझे याद है मैंने उससे कहा था, 'प्लीज़ मेरी क्लोज़-अप के दौरान मुझे मत देखना, मैं सच में डर जा रहा हूं,' क्योंकि जिस तरह से वो परफॉर्म कर रही थी, वो इतना इंटेंस और दमदार था कि मैं सच में हिल गया था। ऐसे पल हैं जो आपके साथ रह जाते हैं।

देखिए 'आमी डाकिनी' 23 जून से, हर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी LIV पर।

65000 मेट्रिक टन कच्चे पाम तेल के सौदे रद्द करने से ओर कांडला पोर्ट पर जहाज की लंबी कतार के कारण खाने के तेल का खेल बिगड़ेगा ?

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया इसराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग के कारण पेट्रोलियम कच्चे तेलों के दाम में उछाल आने से खाद्य तेल जिसका इस्तेमाल कई देशों में बायोडीजल के रूप में किया जाता है के दाम में भी उछाल आया है जिसके चलते आयतको ने 65,000 मीट्रिक टन कच्चे पाम तेल के सौदे रद्द किए हैं। सूत्रों के मिली जानकारी के मुताबिक इंडस्ट्री ने जुलाई सितंबर के लिए कच्चे पाम तेल (CPO) का ऑर्डर कैंसल किया है।एक हफ्ते में पाम तेल 8% तक बढ़ चुका है। एक महीने पहले 8 महीनों के निचले स्तर पर पाम तेल के दाम थे। अचानक आए इस बड़े उछाल से ऑर्डर कैंसल हुआ है। इस उछाल के लिए युद्ध के अलावा अमेरिका बायोफ्यूल के प्रस्ताव भी एक बड़ा कारण है।दूसरी तरफ देश में सबसे खाद्य तेल का आयात होता है व कांडला (दीनदयाल) पोर्ट पर जहाजों की लंबी कतार और बर्थिंग में देरी से इंडस्ट्री में चिंता गहराती जा रही है। व्यापारिक संगठनों ने आगाह किया है कि अगर पोर्ट पर जाम बना रहा, तो देश के प्रमुख उपभोग क्षेत्रों में खाद्य तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है।फिलहाल पोर्ट पर दो जहाज (करीब 45,000 टन) डिस्चार्ज हो रहे हैं, जबकि आठ जहाज (1.57 लाख टन) लंगर पर खड़े हैं और पांच और जहाज (1.59 लाख टन) इसी सप्ताह पहुंचने की तैयारी में हैं।मई में इम्पोर्ट ड्यूटी में कटौती के बाद खाद्य तेलों की आवक में अचानक उछाल आया है, जिससे बंदरगाह पर दबाव बढ़ गया है। बर्थिंग के लिए औसतन 8–10 दिन का इंतजार हो रहा है, जो सूत्रों के अनुसार बढ़कर 15–20 दिन तक जा सकता है।व्यापारियों का कहना है कि कई जहाजों को आंशिक डिस्चार्ज के बाद बंदरगाह से हटाकर नए पोतों को जगह दी जा रही है, जिससे न केवल संचालन में देरी हो रही है बल्कि डेमरेज और स्टोरेज लागत भी बढ़ रही है।भारत हर महीने करीब 7.5 लाख टन पाम तेल आयात करता है, जिसमें से 25–30% आयात कांडला पोर्ट के ज़रिए होता है। ऐसे में अगर यह जाम लंबे समय तक बना रहा, तो पश्चिम और उत्तर भारत में आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।फिलहाल बाजार की निगाहें कांडला बंदरगाह की स्थिति पर बनी हुई हैं। अगर जाम आगे भी इसी तरह बना रहा, तो आने वाले दिनों में आपूर्ति बाधित होने से बाजार कीमतों पर सीधा असर देखने को मिल सकता है।शंकर ठक्कर ने आगे कहा अमेरिका के नए प्रस्ताव से 20% वेज ऑयल अब बायो फ्यूल के लिए इस्तेमाल होगा दूसरी तरफ ईरान इजरायल युद्ध और बंदरगाह पर लंबी कतारे जिसके चलते खाने के तेल की कीमतों में तेजी आई है और इन सब वजहों से आगे तेल का खेल खराब हो सकता है।: अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शंकर ठक्कर

आमिर खान स्टारर 'सितारे ज़मीन पर' को ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

लंबे इंतज़ार के बाद आमिर खान की सितारे ज़मीन पर आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज़ हो गई है, और ये किसी जश्न से कम नहीं लग रही। साल 2007 की क्लासिक तारे ज़मीन पर की स्पिरिचुअल सीक्वल कही जा रही इस फिल्म ने ऐलान के साथ ही दर्शकों में उत्सुकता भर दी थी। ये एक प्रेरणादायक और दिल को छू जाने वाली कहानी है, और खास बात ये भी है कि इसमें आमिर के साथ 10 नए चेहरों की धमाकेदार लॉन्चिंग हो रही है, जिसने रिलीज़ को लेकर माहौल और भी गरमा दिया है।अब जब फिल्म सितारे ज़मीन पर बड़े पर्दे पर आ चुकी है, तो इसे पूरे देशभर से ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 11.7 करोड़ की शानदार कमाई की है। पॉज़िटिव रिव्यूज़ और माउथ-

ऑफ-वर्ड की वजह से फिल्म को लेकर दर्शकों में और भी ज्यादा उत्साह देखा जा रहा है। जैसे-जैसे वीकेंड नज़दीक आ रहा है, उम्मीद की जा रही है कि फिल्म की कमाई और भी तेज़ी से बढ़ेगी।आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर 'शुभ मंगल सावधान' बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ 'सितारे जमीन पर' में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं।आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

इम्यूनोसाइंसेज द्वारा वेलनेस का एक भावपूर्ण उत्सव

इम्यूनोसाइंसेज ने नई दिल्ली में योग, पोषण और समुदाय की एक विशेष सुबह की मेजबानी की

डॉ. दीपिका कृष्णा द्वारा स्थापित विज्ञान-समर्थित वेलनेस ब्रांड इम्यूनोसाइंसेज ने समग्र वेलनेस के एक भावपूर्ण उत्सव में, चाणक्यपुरी में एक विशेष निजी सदस्यों के क्लब में योग और स्वादिष्ट पोषण की एक भावपूर्ण सुबह की मेजबानी की।इस कार्यक्रम में वेलनेस के प्रति उत्साही, विचारक और ब्रांड के मित्रों का एक समूह एक साथ आया, जो एक ऐसी सुबह के लिए था जो गहराई से जमीन से जुड़ी, ताजगी देने वाली और परिवर्तनकारी थी।एक प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ के नेतृत्व में, सत्र ने मेहमानों को धीमा होने, गहरी सांस लेने और खुद से फिर से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद ठंडे-दबाए हुए जूस, डिटॉक्स ड्रिंक और स्वस्थ स्वादिष्ट स्नैक्स का एक विचारपूर्वक तैयार किया गया, जो शरीर का समर्थन करने और आत्मा को ऊपर उठाने वाले पोषण पर इम्यूनोसाइंसेज के फोकस को दर्शाता है।स्वास्थ्य समुदाय से मिलता हैयह सभा सिर्फ़ आंदोलन के बारे में नहीं थी - यह इरादे, जुड़ाव और देखभाल के बारे में थी।

इस अनुभव के केंद्र में इम्यूनोसाइंसेज का दर्शन थाः स्वास्थ्य एक प्रवृत्ति नहीं है, यह जीवन जीने का एक तरीका है - जो विज्ञान, स्थिरता और समुदाय में निहित है।डॉ. दीपिका कृष्णा, ब्रांड के पीछे की प्रेरक शक्ति और एक भावुक स्वास्थ्य अधिवक्ता, ने साझा किया ₹इम्यूनोसाइंसेज में, हम मानते हैं कि सच्चा स्वास्थ्य मन, शरीर और आत्मा को संरेखित करने से आता है। यह कार्यक्रम उस विश्वास का प्रतिबिंब था - रुकने, पोषण करने और खुद में वापस आने की याद दिलाता है।₹इम्यूनोसाइंसेज - सप्लीमेंट्स से परेअपने प्रीमियम, विज्ञान-आधारित स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स के लिए जाना जाने वाला, इम्यूनोसाइंसेज एकीकृत स्वास्थ्य की दुनिया में अपने पदचिह्न का विस्तार करना जारी रखता है। इस तरह के आयोजन ब्रांड के गहरे मिशन का प्रमाण हैं - शिक्षा, अनुभव और साक्ष्य-आधारित समाधानों के माध्यम से व्यक्तियों को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाना।

'तू धड़कन मैं दिल' के BTS में दिखी आराध्या पटेल उर्फ दिल और सौरभ राज जैन की खास बॉन्डिंग!

स्टार प्लस एक बार फिर दिलों को छूने वाली कहानी लेकर आ रहा है अपने नए शो तू धड़कन मैं दिल के साथ। इस इमोशनल कहानी के केंद्र में है एक नन्ही सी बच्ची 'दिल', जिसकी ज़िंदगी मासूमियत, हिम्मत और ढेर सारे इमोशंस से भरी हुई है।'दिल' एक खुशमिजाज़, जिज्ञासु और उम्मीदों से भरी छोटी सी बच्ची है — एक प्यारी सी सनशाइन गर्ल। उसके दिल में हिम्मत है और चेहरे पर हमेशा मुस्कान। वो अपने माता-पिता को ढूंढ़ने के सफर पर निकलती है। मुश्किल हालात में भी वो दुनिया को जिस नजर से देखती है, वो हर पल को जादू जैसा बना देता है।ऐसे में, शो 'तू धड़कन मैं दिल' के सेट से नन्हीं आराध्या पटेल उर्फ दिल और सौरभ राज जैन की मस्ती भरी BTS झलक सामने आई है, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया है। दोनों की इस प्यारी केमिस्ट्री को देखकर फैंस अब यह जानने को उत्सुक हैं कि शो में इनका आपसी रिश्ता क्या होगा। हालांकि, इसकी सच्चाई तो आने वाले एपिसोड्स में ही सामने आएगी, लेकिन फिलहाल इनकी ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग चर्चा का विषय बन चुकी है।अपनी दिल को छू लेने वाली कहानी और आराध्या पटेल संग टीवी की दुनिया में कृष्ण के नाम से जाने जानें वाले सौरभ राज जैन की शानदार परफॉर्मेंस के साथ तू धड़कन मैं दिल दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह शो ज़िंदगी की मुश्किलों और खुशियों को एक नए नजरिए से दिखाता है, और याद दिलाता है कि प्यार और हौसले में कितनी ताकत होती है।तो देखना न भूलिए तू धड़कन मैं दिल, 23 जून से हर शाम 7 बजे, सिर्फ़ स्टार प्लस पर। जुड़िए 'दिल' की इस खास जर्नी में, जहां हर धड़कन एक नई कहानी कहती है।

बाली-जकार्ता फैम ट्रिप ने इंडोनेशिया को भारतीय बाजार में फिर से जोड़ा:वेडिंग और लग्जरी टूरिज्म को बनाया केंद्र

सीताराम मेवाती

इंडोनेशिया ने पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, 10 से 15 जून 2025 तक प्रमुख भारतीय ट्रैवल एजेंटों के लिए एक पांच दिवसीय फैमिलियराइजेशन ट्रिप (फैम ट्रिप) का आयोजन किया। भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने की इस रणनीतिक पहल के तहत, यात्रा में इंडोनेशिया के दो प्रमुख पर्यटन स्थलों—बाली और जकार्ता—को शामिल किया गया, जहां प्रतिभागियों को प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, लग्ज़री और आधुनिक शहरी अनुभवों से रूबरू कराया गया।

इस यात्रा की प्रमुख आकर्षणों में से एक था नुसा दुआ स्थित बाली इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित बाली एंड बियॉन्ड ट्रैवल फेयर (BBTF) में भाग लेना। यह बी2बी प्लेटफॉर्म भारतीय प्रतिनिधियों और इंडोनेशियाई टूर ऑपरेटरों, होटल व्यवसायियों और सेवा प्रदाताओं के बीच व्यावसायिक संवाद को प्रोत्साहित करने वाला मंच था। इसका उद्देश्य इंडोनेशिया को भारतीय पर्यटकों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना और

वेडिंग, हनीमून, पारिवारिक छुट्टियों और लग्ज़री टूरिज्म जैसे विशेष क्षेत्रों को बढ़ावा देना था।

इस फैम टूर में भारत के प्रतिष्ठित ट्रैवल ब्रांड्स ने भाग लिया। बाली में एजेंटों ने गोवा गजह (एलिफेंट केव), झूले की सवारी और अलास हरूम में कॉफी टेस्टिंग तथा हाई टी जैसे अनुभवों का आनंद लिया। पारंपरिक केचक डांस, कठपुतली पेंटिंग और परफ्यूम मेकिंग वर्कशॉप जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने यात्रा को समृद्ध बनाया।

इसके बाद जकार्ता चरण में, डीकेआई जकार्ता प्रांतीय पर्यटन और क्रिएटिव इकोनॉमी कार्यालय के सहयोग से प्रतिभागियों को राजधानी की आधुनिकता, अवसंरचना और जीवनशैली से रूबरू कराया गया। जलन सबांग पर फूड वॉक के दौरान उन्होंने विविध इंडोनेशियाई व्यंजनों का स्वाद लिया। पेंचक सिलाट, आर्ट सेंटर विज़िट और श्री सनातन धर्म आलयम (भगवान मुरुगन को समर्पित पहला हिन्दू मंदिर) जैसे अनुभवों ने सांस्कृतिक गहराई को और बढ़ाया।

इस फैम ट्रिप के अंत तक भारतीय प्रतिनिधियों ने इंडोनेशिया की पर्यटन संभावनाओं को और गहराई से जाना और महसूस किया कि यह देश भारतीय पर्यटकों के लिए परंपरा, विलासिता और आधुनिकता का बेहतरीन संगम है।

रिधिरा ग्रुप ने गांधीपेट रिट्रीट में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मनाया आत्मिक उत्सव

सीताराम मेवाती

रिधिरा ग्रुप ने गांधीपेट स्थित शांत वातावरण वाले रिधिरा रिट्रीट में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक विशेष और आत्मिक आयोजन किया। यह समारोह योग प्रेमियों, वेलनेस इन्फ्लुएंसर्स और विशिष्ट अतिथियों को एक साथ लाकर जागरूकता, आंतरिक शांति और आपसी जुड़ाव का अवसर बना।

इस वर्ष की थीम "योगः एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" के अनुरूप यह आयोजन न केवल व्यक्तिगत कल्याण पर केंद्रित था, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और सामूहिक स्वास्थ्य की दिशा में भी एक प्रेरणादायी कदम रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तावित समग्र जीवनशैली के विचार को इस आयोजन ने संपूर्णता से साकार किया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध योग शिक्षक विकास शेनॉय द्वारा संचालित 'सोलफुल योगा एंड स्पा सेशन' से हुई। प्रकृति की गोद में प्रतिभागियों ने गहरी साँसों, सधे हुए आसनों और एकाग्रता से "Breathe | Stretch | Reconnect" की भावना को महसूस किया। समवेत रूप से सजाए गए योगा मैट्स ने वातावरण में सौम्यता और संतुलन का भाव रचा।इसके बाद, वेलनेस कोच आमानी रेड्डी द्वारा पोषण और जीवनशैली से जुड़ी व्यक्तिगत सलाह दी गई। ओड स्पा की फुट रिफ्लेक्सोलॉजी और रिलैक्सिंग मसाज ने शारीरिक थकान को दूर किया। काव्या भगचंदानी द्वारा प्रस्तुत साउंड हीलिंग सत्र ने प्रतिभागियों को ध्यान, संतुलन और ऊर्जा से जोड़ने का अद्भुत अनुभव दिया। कार्यक्रम में संगीत का भी अहम योगदान रहा, जहाँ सितार, संतूर और तबले की लाइव जुगलबंदी ने वातावरण को आत्मिक ऊँचाई प्रदान की। समापन में परोसी गई पौष्टिक हाई-टी ने तन और मन दोनों को तृप्त किया। रिधिरा ग्रुप के संस्थापक रितेश मस्तिपुरम ने कहा, "यह आयोजन एक याद दिलाने वाला क्षण था — रुकने, साँस लेने और स्वयं से जुड़ने का। वेलनेस अब विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यक जीवनशैली बननी चाहिए।"

ज्ञात हो कि रिधिरा रिट्रीट, ओड स्पा और रिधिरा वेलनेस रियल एस्टेट जैसे अपने वर्टिकल्स के ज़रिए ग्रुप ने वेलनेस-ड्रिवन हॉस्पिटैलिटी में नेतृत्व स्थापित किया है। समूह का लक्ष्य है कि ऐसे वेलनेस केंद्र देशभर में विकसित किए जाएं जो प्रकृति और आधुनिक जीवन के बीच सेतु बनें।

'एक देश, एक कार्ड' मॉडल से भारत बनेगा वैश्विक डिजिटल लीडर: चाय से यात्रा तक, एक कार्ड से होगा भुगतान आसान

सीताराम मेवाती

मुंबई के प्रतिष्ठित केबल व्यवसायी और सामाजिक चिंतक राजेंद्र चोप्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया विजन को समर्थन देने हेतु एक अभिनव और उपयोगी डिजिटल समाधान का सुझाव दिया है, जिसका नाम हो सकता है —"एक देश, एक रूपे एक्सपेंस कार्ड"। अपने सुझाव को उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री कार्यालय को औपचारिक रूप से भेजा है। यह कार्ड विशेष रूप से छात्रों, मजदूरों, छोटे दुकानदारों और दैनिक यात्रियों के लिए एक वरदान साबित हो सकता है। स्टेशन पर चाय से लेकर बस टिकट तक, सभी लेन-देन एक ही कार्ड से संभव होंगे।

राजेंद्र चोप्रा का मानना है कि यह कार्ड भारत को एकीकृत डिजिटल भुगतान व्यवस्था की ओर ले जाने वाला मील का पत्थर साबित हो सकता है। उनके अनुसार, इस कार्ड के माध्यम से आम नागरिकों को ट्रांसपोर्ट से लेकर दैनिक खरीदारी तक के सभी सूक्ष्म भुगतानों के लिए एक ही प्लेटफॉर्म मिलेगा।

इस कार्ड का प्रयोग मेट्रो, लोकल ट्रेन, बस, टोल प्लाज़ा, फेरी सेवा, एयरपोर्ट शटल, स्टेशन दुकानों और पार्किंग जैसी सेवाओं के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। यह कार्ड "टैप करें और यात्रा करें" तथा "टैप करें और भुगतान करें" जैसे कॉन्टैक्टलेस भुगतान की सुविधा देगा।

चोप्रा का सुझाव है कि यह कार्ड प्रीपेड और क्रेडिट दोनों विकल्पों में उपलब्ध हो, ताकि हर वर्ग का नागरिक अपनी सुविधानुसार इसका उपयोग कर सके। सुरक्षा के लिए इसे आधार से लिंक करने और 5,000 की दैनिक खर्च सीमा तय करने की सिफारिश की गई है।

रिचार्ज की सुविधा रेलवे स्टेशनों, सरकारी कार्यालयों, डिजिटल कियोस्क और BHIM, QR कोड जैसे मोबाइल ऐप्स से जोड़ी जाए, जिससे देश के किसी भी हिस्से से कार्ड को आसानी से रिचार्ज किया जा सके और उपयोग में आसानी बनी रहे।चोप्रा ने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि कोई व्यक्ति किसी ग्रामीण क्षेत्र से 500 का यह कार्ड लेकर मुंबई आता है, तो वह लोकल ट्रेन, मेट्रो, बस में यात्रा कर सकता है, स्टेशन पर चाय-नाश्ता ले सकता है और मोबाइल भी रिचार्ज कर सकता है। रिचार्ज खत्म होने पर देश के किसी भी डिजिटल कियोस्क से कार्ड को पुनः सक्रिय किया जा सकता है—यही सच्ची डिजिटल नागरिकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस योजना को केंद्र सरकार, वित्त मंत्रालय, रेलवे मंत्रालय, नीति आयोग और NPCI के सहयोग से एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जाना चाहिए।

चोप्रा ने कहा, "अगर यह योजना लागू होती है, तो यह भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है और भारत के डिजिटल नवाचार की गूंज वैश्विक स्तर पर सुनाई देगी।

उन्होंने आगे कहा कि देशभर में डिजिटल कियोस्क और रिचार्ज सेंटर बढ़ने से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे, जिससे आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिलेगी।

'आमी डाकिनी' में अपने किरदार के लिए राची शर्मा ने ली 'स्त्री' की श्रद्धा कपूर से प्रेरणा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बहुप्रतीक्षित शो 'आमी डाकिनी' अपने रोमांचक और रहस्यपूर्ण कथानक से दर्शकों को बांधे रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। कोलकाता की खूबसूरत पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो, चैनल की प्रतिष्ठित हॉरर सीरीज़ 'आहट' के बाद फिर से डरावनी कहानी कहने की शैली में वापसी कर रहा है। इस शो में हितेश भारद्वाज आयान के रूप में, शीन दास डाकिनी के रूप में और राची शर्मा मीरा की भूमिका में नजर आएंगे।मीरा जैसे जटिल किरदार में उतरने के अनुभव को साझा करते हुए राची शर्मा ने कहा कि उन्होंने इस भूमिका के लिए 'स्त्री' में श्रद्धा कपूर के अभिनय से प्रेरणा ली। वे कहती हैं, "जब मैंने 'स्त्री' में श्रद्धा को देखा, तो मैं निश्चित रूप से मंत्रमुग्ध हो गई थी—उनके किरदार में एक रहस्य था, जो शांत लेकिन गहराई से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ महसूस हुआ। वह परफॉर्मेंस मेरे जहन में बनी रही। लेकिन जब बात मीरा की आई, तो मैंने उस भावना से जुड़ाव महसूस किया, फिर भी मुझे

समझ आया कि मीरा का भावनात्मक संसार अलग है। श्रद्धा की अभिव्यक्तियाँ, उनकी खामोशियां, उनका रिदम—वो प्रेरणादायक थे, लेकिन मीरा को एक अलग तरह की तीव्रता की ज़रूरत थी। मैंने उनके संयम और शांति से जरूर सीखा, लेकिन मीरा के किरदार को निभाने के लिए मुझे और अधिक साहसी, कच्चा और दर्द व शक्ति से जुड़ा दृष्टिकोण अपनाना पड़ा। तो हां, मैंने उन्हें एक शुरुआती संदर्भ के रूप में लिया, लेकिन उसके बाद मुझे मीरा की अपनी अनोखी भावनात्मक लय खोजनी पड़ी।"'आमी डाकिनी' देखिए 23 जून से, हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8:00 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनीलिव पर।

SPORTS खेल जगत

यशस्वी व केएल राहुल की मजबूत शुरुआत के बाद भारत ने दो विकेट गंवा लाभ गंवाया

इंग्लैंड ने लंच से पहले दो ओवर में दो विकेट खो की वापसी

केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने इंग्लैंड द्वारा टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की दावत दिए जाने पर एजबेस्टन, लीडस में पहले क्रिकेट टेस्ट में भारत ने संभल कर आगाज कर 91 रन जोड़ने के बाद लंच से पहले दो ओवर में दो विकेट गंवा पहली पारी में दो विकेट खोकर 92 रन बना बढ़िया आगाज का लाभ कुछ हद तक गंवा दिया। भारत का इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की तेंडुलकर एंडरसन ट्रॉफी और यह नई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 -27 साइकिल का पहला टेस्ट है। तब यशस्वी जायसवाल 74 गेंद खेल कर आठ चौकों की मदद से 42 रन बना कर क्रीज पर टिके थे। केएल राहुल यदि लंच से इंग्लैंड ने पहले तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स की गेंद को ड्राइव करने से बचते तो भारत लंच तक बिना कोई विकेट खोए लंच तक मैदान से लौटता। पांच महीने के बार अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स द्वारा टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की दावत दिए जाने पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने जिस सकारात्मक अंदाज में बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जैसी मजबूत शुरुआत दी उसके लिए इन दोनों की जरूर तारीफ की जानी चाहिए। यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड की धरती पर अपना

पहला टेस्ट मैच खेलते हुए कुछ गेंदों पर परास्त होने के बावजूद सकारात्मक अंदाज दिखाया और ढीली गेंदों पर प्रहार कर अपने और भारतीय टीम के लिए केएल राहुल के साथ रन जोड़े। यशस्वी व केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने भारत की पहली पारी का आगाज कर 15ओवर में पहले घंटे मे 52 रन जोड़े। भारत ने लंच से छह मिनट पहले पारी के 25 वें ओवर की अंतिम पूर्व गेंद पर केएल राहुल (42 रन, 78 गेंद, आठ चौके) के रूप में पहला विकेट 91 रन खोया। केएल राहुल ने कार्स की देर से मूव होती गेंद को ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में उनका कैच लपक आउट कर पैवेलियन लौटाया।

भारत के लिए दोबारा टेस्ट क्रिकेट खेलने की भूख ने मुझे आगे बढ़ाया : नायर

लीड्स। भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करने को बेताब हैं। आठ साल के अंतराल के बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करते हुए, नायर ने खुलासा किया कि देश के लिए फिर से खेलने के उनके दृढ़ निश्चय ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बीसीसीआई की ओर से शेयर किए गए वीडियो में नायर ने कहा कि जब मैं उठा तो मेरा पहला विचार यह था कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं। शायद यही बात मुझे आगे बढ़ने और भूख बनाए रखने में मदद करती रही। यह हर दिन प्रशिक्षण के लिए जाने और हर दिन अभ्यास करने के लिए प्रेरित करती रही। उस विश्वास को कभी न खोना और उस लक्ष्य को प्राप्त करना कुछ ऐसा था जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि जब मैंने पहली बार सभी को देखा, तब मुझे वास्तव में लगा कि मैं आखिरकार टीम में हूं। तब तक यह मेरे लिए एक तरह से इंतजार था।

अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरे खिलाड़ी

(एजेंसियां)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में मारे गए लोगों के सम्मान में हेडिंग्ले में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के पहले दिन भारत और इंग्लैंड टेस्ट टीम के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे। दोनों टीम के बीच सीरीज का पहला मुकाबला शुरू होने से पहले खिलाड़ियों ने स्टेडियम में मौन भी रखा। दोनों टीमों ने पिछले सप्ताह अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों की याद में टेस्ट मैच के पहले दिन काली पट्टियां बांधी।

ईसीबी ने कहा कि दोनों देशों के राष्ट्रगान से पहले एक मिनट का मौन रखा गया। हमारी संवेदनाएं पिछले सप्ताह अहमदाबाद में हुई भयानक घटनाओं से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। विमान हादसे में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई। इसमें भारतीयों के साथ ब्रिटिश

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी

अहमदाबाद विमान हादसे के कारण माहौल गमगीन हो गया है। इस सीरीज में खिलाड़ी देश को फिर से खुश करने का तरीका ढूंढेंगे : ऋषभ पंत, उपकप्तान,

नागरिक थे।

भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने सीरीज से पहले प्रेस कांफ्रेंस में बताया था कि अहमदाबाद विमान हादसे के कारण माहौल गमगीन हो गया है। इस सीरीज में खिलाड़ी देश को फिर से खुश करने का तरीका ढूंढेंगे। उन्होंने कहा, ''विमान हादसे में जो कुछ हुआ, मुझे लगता है कि पूरा भारत इससे निराश है। लेकिन हमारी तरफ से एकमात्र बात यह है कि हम उनके साथ हैं और हम देशवासियों को फिर से कैसे खुश कर सकते हैं। हम इस पर काम जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि आप भारत को हर समय खुश रखना चाहते हैं, लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर यह हर समय संभव नहीं है। लेकिन मैं अपनी तरफ से यह वादा कर सकता हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और अपना 200 प्रतिशत देंगे। बता दें कि भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए मैदान पर बुलाया है। इस टेस्ट के साथ दोनों टीमों के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की भी शुरुआत हो चुकी है।

ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा श्रीलंका-बांग्लादेश गॉल टेस्ट

श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में खेला जा रहा टेस्ट चौथे दिन की समाप्ति के बाद ड्रॉ की तरफ बढ़ता दिख रहा है। स्टंप्स के समय बांग्लादेश ने दूसरी पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाकर कुल बढ़त 187 रन की कर ली थी। कप्तान नजमूल हसन शांतो 56 और मुशफिकुर रहीम 22 रन पर नाबाद हैं। बांग्लादेश को दूसरी पारी में पहला झटका सिर्फ 24 के स्कोर पर लगा जब अनामुल हक 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन, शादमान इस्लाम ने एक छोड़ संभालकर रखा। टीम का स्कोर जब 128 था, तब वह 76 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। मोमिनुल हक 14 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए थे। नजमुल हसन शांतो 56 और मुशफिकुर रहीम 22 रन पर नाबाद हैं। दोनों चौथे विकेट के लिए अब तक नाबाद 49 रन जोड़ चुके हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने पिछली पारी में भी शतक लगाए थे। शांतो ने 148 और रहीम ने 163

कप्तान नजमूल हसन शांतो 56 और मुशफिकुर रहीम 22 रन पर नाबाद हैं।

रन की पारी खेली थी। गॉल टेस्ट के पांचवें दिन अगर श्रीलंकाई स्पिनर्स का जादू चला और बांग्लादेश ने दिन के शुरुआती घंटे में विकेट गंवाए तो यह मैच रोमांचक हो सकता है और नतीजे की अपेक्षा की जा सकती है, अन्यथा टेस्ट ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा है। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 485 रन बनाए थे और बांग्लादेश से 10 रन से पिछड़ गई थी। श्रीलंका के लिए पाथुम निसांका ने 187, कामिंदु मेंडिस ने 87 और दिनेश चांदीमल ने 54 रन की पारी खेली थी। बांग्लादेश के लिए नईम हसन ने पांच विकेट लिए थे, जबकि हसन महमूद ने तीन विकेट चटकाए। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 495 रन बनाए थे।

कैरेबियन टेस्ट सीरीज में नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं जोश इंग्लिश : एडम

मेलबर्न,
ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज एडम वोग्स ने जोश इंग्लिश को आगामी कैरेबियन टेस्ट सीरीज में नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए समर्थन दिया है। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के कोच वोग्स का मानना है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज टेस्ट स्तर पर शीर्ष चार में शानदार प्रदर्शन कर सकता है, भले ही उनका प्रथम श्रेणी क्रिकेट में इस स्थान पर अनुभव कम हो।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा मार्नस लाबुशेन को टीम से बाहर करने के ऐलान के बाद इंग्लिश को वेस्टइंडीज के खिलाफ बारबाडोस में होने वाले पहले टेस्ट के लिए शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं ने यह भी पुष्टि की है कि स्टीव स्मिथ चोट के कारण बाहर रहेंगे। इंग्लिश और सैम कोंस्टस को सीधे रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया है। हालांकि, प्लेइंग इलेवन और बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं है। सैम कोंस्टस के उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने की उम्मीद है, क्योंकि चयनकर्ता वेस्टइंडीज दौरे और एशेज के

लिए एक स्थिर सलामी जोड़ी बनाना चाहते हैं, जो 12 टेस्ट मैचों में पांच अलग-अलग संयोजनों के साथ खेला जाएगा। स्मिथ के ग्रेनाडा में होने वाले दूसरे टेस्ट में वापस आने की उम्मीद है। इसलिए संभावना है कि कैमरून ग्रीन हाल ही में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में विफल होने के बावजूद तीसरे नंबर पर ही रहेंगे। इससे इंग्लिश को नंबर 4 पर जगह मिल सकती है, ताकि स्मिथ की वापसी पर ज्यादा बदलाव न करना पड़े। ट्रेविस हेड पांचवें नंबर पर मजबूती से टिके हुए हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने वोग्स के हवाले से कहा कि विकेटकीपर होने के कारण आमतौर पर नीचे बल्लेबाजी करनी पड़ती है। हमने कुछ साल पहले जोश को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए आजमाया था, जो हमेशा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि हमने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि हमें लगा कि तकनीकी रूप से वह इस भूमिका को निभाने में सक्षम हैं। मुझे लगता है कि बिना विकेटकीपिंग के बोझ के, वह इस भूमिका को भर सकते हैं और अगर आप एशेज सीजन के दौरान टेस्ट टीम की संरचना की बात करें, तो मुझे लगता है कि ये तीन टेस्ट कई खिलाड़ियों के लिए और खास तौर पर जोश के लिए इस भूमिका में अपनी दावेदारी पेश करने का शानदार मौका हैं। 30 साल की उम्र में इंग्लिश इस साल सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने श्रीलंका में अपने टेस्ट डेब्यू पर नंबर पांच पर बल्लेबाजी करते हुए शतक बनाया था, यह उस पोजीशन पर उनका पहला शतक था। नंबर तीन और नंबर चार पर उनका अनुभव और भी कम है। 2019 में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए नंबर तीन पर छह पारियों में उनका औसत 12.66 रहा और नंबर चार पर उन्होंने सिर्फ एक बार 2015 में 44 रन बनाए।

क्रिकेट पर सट्टेबाजी कर रहे दो आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के सदर थाना क्षेत्र में पुलिस ने लाखों रुपए के ऑनलाइन सट्टेबाजी के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को रात में ईरास 100 फुट रोड पर तमिलनाडु क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते हुए विनोद जाट को गिरफ्तार किया। जांच के बाद तीन और नाम सामने आए जिनमें मनीष, फजल और दीपक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक अन्य कार्रवाई के तहत पुलिस ने ईरास रोड पर गोपी सिंधी को ऑनलाइन सट्टे के आरोप में पकड़ा है। गोपी ने यह काम आजाद नगर स्थित एक कारोबारी के लिए करना बताया है। पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है।

बुब्लिक ने सिनर को हराकर हाले ओपन में किया उलटफेर

बर्लिन। कजाकिस्तान के टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुब्लिक ने हाले ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर को हराकर टूर्नामेंट अगले दौर में जगह बना ली है। गत चैंपियन सिनर गुरुवार को कजाकिस्तान के बुब्लिक से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए। अगस्त 2023 के बाद रैंकिंग के हिसाब से सिनर की यह बहुत बड़ी हार है। अगस्त 2024 के बाद से यह पहली बार है जब सिनर दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी से हारे हैं। फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ को भी ग्रास-कोर्ट सीजन के अपने पहले मैच में आश्चर्यजनक हार का सामना करना पड़ा, बर्लिन ओपन में उन्हें चीन की वांग जिन्यू से 6-3, 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी वांग ने रोलांड गैरोस में जीत के 12 दिन बाद गॉफ को हराकर उनके सात मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया। बर्लिन में खेले जा रहे हाले ओपन में ही दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने दो दिनों तक चले मैच में स्विस रेबेका मासरोवा को 6-2, 7-6 (8-6) से हराया।

चोटिल स्मिथ, लाबुशेन बाहर, कोंस्टास और इंग्लिस की हुई पहले टेस्ट मैच में वापसी

सिडनी,
सप्ताह से शुरु होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए जहां ऑस्ट्रेलिया की टीम में सैम कोंस्टास और जॉश इंग्लिस की वापसी हुई है वहीं चोटिल बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन वेस्टइंडीज के खिलाफ बारबाडोस में होने वाले पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया है। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति ने बुधवार से शुरु होने वाले पहले टेस्ट से लगभग एक सप्ताह पहले सैम कोंस्टास और जॉश इंग्लिस की टीम में वापसी की घोषणा की है। स्मिथ को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में स्लिप पर क्षेत्ररक्षण के दौरान चोट लगी थी। समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने शुक्रवार सुबह जारी एक बयान में कहा कि अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर लाबुशेन इस टीम का एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य हो सकता है। उसे पता है कि उसका प्रदर्शन उस स्तर पर नहीं रहा है जिसकी हम या वह उम्मीद करते हैं। हम उसके खेल के उन क्षेत्रों पर उसके साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि हमने स्टीव और लाबुशेन की जगह जोश और सैम को मौका देने का फैसला किया है। हम उन्हें अपने नवोदित टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने का मौका मिलने पर उत्साहित हैं।

सीपीएल 2025 से पहले ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ब्रावो को मुख्य कोच नियुक्त किया

जून (एजेंसियां)। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के आगामी सीजन के लिए वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। ब्रावो के नेतृत्व में टीकेआर 17 अगस्त से ऐतिहासिक 5वें सीपीएल खिताब की तलाश में अपनी यात्रा शुरू करेगी। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा कि मैच जिताने वाले प्रदर्शनों और चैंपियनशिप क्षणों से भरे एक शानदार खेल करियर के बाद, ब्रावो अब एक नई भूमिका में बागडोर संभालेंगे, और डगआउट से नाइट्स की अगली पीढ़ी को प्रेरित और प्रशिक्षित करने के लिए तैयार हैं।ब्रावो ने 2013 से 2024 के बीच सीपीएल में 107 मैच

ब्रावो के नेतृत्व में टीकेआर 17 अगस्त से ऐतिहासिक 5वें सीपीएल खिताब की तलाश में अपनी यात्रा शुरू करेगी

खेले। उन्होंने 11 में से नौ सीजन में टीकेआर का प्रतिनिधित्व किया और पांच बार खिताब अपने नाम किया। जिसमें 2021 भी शामिल है, जब उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स का नेतृत्व किया था। 129 सीपीएल विकेट और 1,155 रन के साथ, ब्रावो सीपीएल इतिहास के सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक हैं। ब्रावो ने कहा कि टीकेआर का मुख्य कोच बनने का अवसर मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है, यह एक ऐसी टीम है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।

पंजाब, हरियाणा ने महिला वर्ग में, महाराष्ट्र और ओडिशा ने जीते पुरुष वर्ग के मुकाबले

चेन्नई,
2025 के दूसरे दिन महिला वर्ग में पंजाब और हरियाणा ने अपने-अपने मैच जीते, जबकि पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र और ओडिशा ने जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये पहले मुकाबले में पंजाब ने महिला वर्ग में ओडिशा को 3-1 से हराया। पंजाब के लिए संगीता मिंज ने (तीसरे) मिनट, कैप्टन अमनदीप कौर ने (पांचवें) मिनट और नीति ने (26वें) मिनट में गोल किए, जबकि रंजीता बेक ने (50वें) हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के लिए एकमात्र सांत्वना गोल ही कर सकीं। दूसरे मैच में हरियाणा ने महिला वर्ग में तमिलनाडु को 8-4 से हराया। तमिलनाडु के लिए सुरेश रसना बाबू ने (दूसरे, 20वें) मिनट में गोल किए, जबकि क्रिस्टी एलेना एडवर्ड ने (40वें) और सौम्या ने (56वें) मिनट में एक-एक गोल किया। दूसरी ओर, चिंगशुबाम संगाई इबेमहाल ने (तीसरे, 10वें, 13वें) मिनट और सोनिका यादव ने (32वें, 49वें, 51वें) मिनट में गोलकर हैट्रिक बनाकर मैच को अपने प्रतिद्वंद्वी से दूर कर दिया। सुमन लता चुम्बक ने (26वें) और नीतू कुमारी (44वें) मिनट में एक-एक गोल करके टूर्नामेंट में पहली जीत सुनिश्चित की। पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र ने मणिपुर को 7-1 से हराया। कप्तान धनंजय महादिक ने (34वें, 36वें) मिनट में दो गोल करके शीर्ष गोल स्कोरर रहे।

टिम पेनको ऑस्ट्रेलिया 'ए' पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इस सीरीज की शुरुआत 4 जुलाई से डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज से होगी। डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के कोचिंग समूह में टिम पेन के साथ राष्ट्रीय तेज गेंदबाजी कोच एडम ग्रिफिथ, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के सहायक कोच स्कॉट प्रेस्टिज, और नॉर्दर्न टेरिटरी क्रिकेट के पाथवे और डेवलपमेंट कोच ट्रेंट कीप शामिल होंगे। राष्ट्रीय टीमों के सीए कार्यकारी महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने टिम पेन के ऑस्ट्रेलिया ए के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि टिम पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और अब इस भूमिका में भविष्य के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को निखारने के लिए अपने पैशन और आधुनिक कोचिंग अनुभव का उपयोग करेंगे। टिम का समृद्ध खेल और कोचिंग अनुभव उभरते खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण होगा। पेन ने 2009 और 2021 के बीच राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। वह

पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और अब इस भूमिका में भविष्य के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को निखारने के लिए अपने पैशन और आधुनिक कोचिंग अनुभव का उपयोग करेंगे : टिम टिम पेन

ऑस्ट्रेलिया ए और एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए अपनी कोचिंग प्रतिबद्धताओं के अलावा आगामी सत्र में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को कोचिंग सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने पिछले दो वर्षों के दौरान ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम और ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष कार्यक्रम के साथ सहायक क्षमता में काम किया है और गत दिसंबर में भारत के खिलाफ पीएम इलेवन को कोचिंग दी थी। इस बीच, गैर-अनुबंधित बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन जेह को भी डार्विन में श्रीलंका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की टीम में शामिल किया गया है। जेह ने पिछले सीजन में एसीटी के खिलाफ अपने पहले सेकंड इलेवन मैच में 27 रन देकर पांच विकेट लिए थे। उसके बाद जंक्शन ओवल में हुए मैच में ग्लेन मैक्सवेल को बाउंड्री पर कैच आउट कराया था। उन्होंने साउथ ब्रिसबेन के लिए प्रीमियर क्रिकेट में 27 विकेट लिए हैं और 465 रन बनाए हैं। श्रीलंका ए सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम कुछ इस प्रकार है: सैम इलियट, मैट गिलकेस, ब्राइस जैक्सन, जेडेन जेह, कैम्पबेल केलावे, नाथन मैकस्वीनी, जैक निस्बेट, मिच पेरी, कर्टिस पैटरसन, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, मैट रेनशॉ, जेसन संघा, लियाम स्कॉट, बिली स्टैनलेक, हेनरी थोर्नटन, जेक वेदरल्ड

जिंबाब्वे टेस्ट सीरीज बावुमा बाहर, केशव महाराज करेंगे कप्तानी

जोहान्सबर्ग,
(एजेंसियां।) हाल ही में साउथ अफ्रीका को अपनी कप्तानी में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले टेंबा बावुमा जिंबाब्वे के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह स्पिन गेंदबाज केशव महाराज कप्तानी करेंगे। टेंबा बावुमा बाएं टखने में खिंचाव की वजह से जिंबाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए हैं। यह इंजरी उन्हें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान ही हुई थी, हालांकि तब उन्होंने इंजरी के साथ बैटिंग की थी और दूसरी पारी में 66 रन बनाकर टीम को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोशल मीडिया

टेंबा बावुमा बाएं टखने में खिंचाव की वजह से जिंबाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए है

प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बावुमा बाएं पैर में हैमस्ट्रिंग खिंचाव के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। बावुमा को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी। चोट की गंभीरता का आंकलन करने के लिए उनका स्कैन किया जाएगा। उनकी अनुपस्थिति में केशव महाराज टीम की कप्तानी करेंगे। यह दो साल से कम समय में बावुमा की तीसरी हैमस्ट्रिंग इंजरी है। इससे पहले 2023 वनडे विश्व कप के दौरान चोट लगी थी। इंजरी के साथ वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल खेले थे। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान भी उन्हें चोट लगी थी।

आमी डाकिनी: हुस्न भी, मौत भी – एक नई जबरदस्त कहानी
आमी डाकिनी: मोहब्बत, मौत और रहस्य से भरी नई पेशकश

रोमांच से भरपूर नई कहानी के लिए हो जाइए तैयार, सोनी एंटरटेनमेंट लेकर आ रहा है आमी डाकिनी!

जब हुस्न, रहस्य और रोमांच टकराएंगे – तब शुरू होगी सोनी एंटरटेनमेंट पर आमी डाकिनी की कहानी!

आहट के साथ दर्शकों को डराने के बाद, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन लेकर आ रहा है आमी डाकिनी।आमी डाकिनी एक ऐसी कहानी है जो कई जनमों से चला आ रहा प्यार दिखाती है। डाकिनी उस मोहब्बत को फिर से पाने लौटती है जो कभी उसका था। लोगों को वो बीते वक्त की परछाईं लगे, लेकिन उसका लौटना सिर्फ़ अपनी अधूरी मोहब्बत को पूरा करने के लिए है।इस नई कहानी की जान है डाकिनी, जो दिखने में तो बेहद खूबसूरत है, लेकिन उतनी ही ज़िद्दी

भी। उसे सिर्फ़ एक ही चीज़ चाहिए और वो है अपना खोया हुआ प्यार उसका पति। उसके इस सफर में प्यार और जुनून, सुंदरता और विनाश के बीच की रेखाएं मिट जाती हैं। राज़ों और सायों से भरी इस दुनिया में अगर कोई उसके रास्ते में आता है, तो वो ज़िंदा नहीं बचता।₹आमी डाकिनी₹ को खास बनाती है न सिर्फ़ इसकी थ्रिल से भरपूर कहानी, बल्कि उसमें रची-बसी गहराई और इमोशन्स का वो ताना-बाना, जो दिल को छू जाता है।डाकिनी के किरदार को पर्दे पर ज़िंदा कर रही हैं टैलेंटेड एक्ट्रेस शीन दास, जो अब तक का अपना सबसे पेचीदा रोल निभा रही हैं। अपने अनुभव को शेयर करते हुए शीन कहती हैं, "ये रोल अब तक की मेरी हर परफॉर्मेंस से अलग है। डाकिनी एक बेहद इंटेंस कैरेक्टर है, जिसमें इतनी परतें हैं कि हर लेवल पर चैलेंज मिलता है। वो ताकतवर है, तेज़ है और अपनी बातों के लिए कभी माफ़ी नहीं मांगती। इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक जबरदस्त जर्नी रहा, जिसने मुझे इमोशनली और मेंटली उन हिस्सों में पहुंचाया जहाँ मैं पहले कभी नहीं गई थी। कई बार तेज़ रफ्तार वाला थ्रिल था, कई बार गहरे सोचने का मौका मिला और कई बार ऐसे इमोशन्स से भिड़ना पड़ा जो बहुत रॉ और अनकंफ़र्टेबल थे। मुझे पूरा यक़ीन है कि ऑडियंस उसकी अनप्रिडिक्टेबल नेचर और उस डार्क, थ्रिलिंग वर्ल्ड से जुड़ जाएगी। ये सिर्फ एक शो नहीं है, ये एक

आमिर खान स्टारर सितारे ज़मीन पर का नया गाना 'शुभ मंगलम' हुआ रिलीज

सितारे ज़मीन पर की रिलीज़ अब बस करीब है, जो 2007 की पसंदीदा फिल्म तारे ज़मीन पर का एक स्पिरिचुअल सीक्वल है और लोगों का उत्साह अपने चरम पर पहुंच रहा है। ट्रेलर पहले ही प्यार, खुशी और हंसी से भरी एक दिल छू लेने वाली दुनिया की झलक दिखा चुका है।

अब फिल्म का सोलफुल साउंडट्रैक भी लोगों के दिलों को छू रहा है, जिससे रिलीज़ से पहले का इंतज़ार और भी बढ़ गया है।नया गाना शुभ मंगलम भी इस त्योहारी माहौल में रौनक बढ़ा रहा है, और लोगों के बीच एक खास जश्न का माहौल बना रहा है।अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शुभ मंगलम गाना शेयर किया, जो शादी की रौनक और एनर्जी से भरपूर है। इस

गाने में आमिर खान, जेनेलिया डिसूजा और साथ में 10 चमकते सितारे धमाकेदार डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं।

मेकर्स ने इसके साथ कैप्शन भी लिखा – ₹#ShubhMangalam अभी-अभी रिलीज़ हुआ है, प्ले दबाइए और जश्न की शुरुआत कीजिए!गाना आउट हो चुका है!₹देखिए #SitaareZameenPar 20 जून को सिर्फ सिनेमाघरों में।ट्रेलर अब आ चुका है!

सितारे ज़मीन पर के गाने शुभ मंगलम को शंकर महादेवन और अमिताभ भट्टाचार्य ने गाया है। इस गाने को शंकर-एहसान-लॉय ने कंपस किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर 'शुभ मंगल सावधान' बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ 'सितारे जमीन पर' में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमेज़ॉन एमजीएम स्टूडियोज़ ने अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित एक गहन क्राइम ड्रामा फ़िल्म 'निशांची' की घोषणा की; 19 सितम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी

अमेज़ॉन एमजीएम स्टूडियो ने आज घोषणा की, कि उनकी थिएट्रिकल फ़िल्म 'निशांची' का प्रीमियर 19 सितम्बर को होने वाला है। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित ये फ़िल्म हालात को हूबहू पर्दे पर उतारने वाली और दमदार है, जिसे फ्लिप फ़िल्म्स के सहयोग से जार पिक्चर्स के बैनर तले अजय राय और रंजन सिंह ने प्रोड्यूस किया है। ऐश्वर्य ठाकरे ने फ़िल्म निशांची से अभिनय की दुनिया में शानदार तरीके से कदम रखा है, जिसमें उनके साथ वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा ने मुख्य किरदार निभाए हैं। बड़े पर्दे के लिए बनी फ़िल्म 'निशांची' बेहद मनोरंजक है और दर्शकों को शानदार सिनेमाई अनुभव प्रदान करने वाली है। इस फ़िल्म में दो ऐसे भाइयों की उलझी हुई ज़िंदगी को बखूबी दिखाया गया है, जिनकी राहें एक-दूसरे से जुदा हैं, और दिखाती है कि कैसे उनके फैसले उनकी किस्मत तय करते हैं।अमेज़ॉन एमजीएम स्टूडियोज़ और प्राइम वीडियो, के डायरेक्टर एवं हेड ऑफ़ इंडिया ऑरिजिनल्स, निखिल मधोक ने कहा*, "अमेज़ॉन एमजीएम स्टूडियोज़ में हमारे लिए अनुराग कश्यप के साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा, जो बेबाक, अनफ़िल्टर्ड और जज़्बातों से भरपूर कहानियों को दर्शकों तक पहुंचाने में माहिर हैं।

उनका स्टाइल बेहद खास है जो जॉनर को नया रूप देता है, और वे ऐसी कहानियाँ बुनते हैं जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखे और उनमें आगे देखने की चाहत जगाए।

हम मानते हैं कि थिएट्रिकल फ़िल्म बिजनेस का भविष्य शानदार है और हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हम अगले कुछ सालों में सिनेमाघरों में कई बेहतरीन फ़िल्में

लेकर आएंगे। हमें इस बात पर गर्व है कि 'निशांची' हमारी इस शुरुआती पेशकश का हिस्सा है, जिसकी बारीकी से लिखी गई कहानी में रहस्य, प्यार, मनमुटाव और कई पहलुओं वाले किरदारों का बेजोड़ संगम दिखाई देता है।

इससे जाहिर होता है कि, हम अलग-अलग तरह की पसंद वाले अपने सभी दर्शकों के लिए नई-नई कहानियों को पेश करने के अपने संकल्प पर कायम है, जिससे उन्हें जुड़ाव महसूस हो। खास तौर पर, इस फ़िल्म का संगीत बेमिसाल है, जो अनुराग के बेजोड़ क्रिएटिव विज़न की मिसाल है।"

फ़िल्म के निर्देशक, अनुराग कश्यप ने बताया, "हमने निशांची की कहानी 2016 में लिखी थी। तब से, मैं इस फ़िल्म को ठीक वैसे ही बनाना चाहता था जैसे इसे होना चाहिए, और ऐसे स्टूडियो की तलाश में था, जिसे मुझ पर पूरा भरोसा हो। मुझे खुशी है कि अमेज़ॉन एमजीएम ने इसे पसंद किया, उन्होंने इस पर भरोसा जताया, और हमारे लिए एक मजबूत सहारा बन गए।

सच कहूँ तो मेरी सभी फ़िल्मों के साथ भी ऐसा ही हुआ, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया- और उन फ़िल्मों को बेहतरीन निर्माताओं और बेहतरीन स्टूडियो का भरपूर सहयोग मिला। निशांची इंसानी जज़्बातों को हूबहू बयां करने वाली कहानी है, जिसमें प्यार, वासना, सत्ता, जुर्म और सजा, धोखे, प्रायश्चित और इन सब के नतीजों को बखूबी दिखाया गया है।

मैं खुशकिस्मत हूँ कि मुझे इतने अच्छे लोगों के साथ-साथ शानदार कलाकारों और सबसे खूबसूरत क्रू का साथ मिला, जिन्होंने इस कहानी को पर्दे पर ठीक वैसे ही उतारा, जैसा मैं चाहता था।

अमेज़ॉन एमजीएम स्टूडियोज़ की टीम के साथ काम करने का अनुभव सच में बेहद फायदेमंद और खूबसूरत रहा है। इस अनुभव ने फ़िल्म निर्माण के शुरुआती दिनों की मेरी यादें ताज़ा कर दी।

हम बहुत उत्साहित हैं और थोड़ी घबराहट भी है, और अब हम इस सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फ़िल्म को दर्शकों तक पहुँचाने के लम्हे का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं!

निर्माता निर्देशक रूपेश राय सिकंद की बर्थडे पार्टी मे पंकज बेरी सहित कई हस्तियां उपस्थित

मुम्बई. बॉलीवुड के मशहूर प्रोड्यूसर डायरेक्टर रूपेश राय सिकंद की बर्थडे पार्टी मे पंकज बेरी सहित कई हस्तियां उपस्थित रहीं और सभी ने उन्हें दिल से बधाईयाँ दी. शानदार केक काटकर निर्माता निर्देशक रूपेश राय सिकंद ने अपनी बर्थडे पार्टी सेलिब्रेट की. निर्माता निर्देशक रूपेश राय सिकंद ने सबसे पहले एयर इंडिया के प्लेन क्रैश पर दुख जताया और कहा कि जब मैंने इस घटना के बारे में सुना तो स्तब्ध रह गया. इतने सारे मुसाफिरों की जान चली गई साथ ही जहाज जहां गिरा वहाँ मौजूद भी काफी लोगों को भी नुकसान पहुंचा. जिन्होंने अपनों को खोया है सभी के लिए संवेदनाएं. रूपेश राय सिकंद ने आगे कहा कि मेरा बर्थडे बहुत खास बन गया क्योंकि मेहमानों के साथ मीडिया की भारी संख्या आई और सभी ने मुझे बधाईयाँ दी और मेरे कार्य की सराहना की.

मैं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करता हूं. मैं ऋषिकेश मुखर्जी के सिनेमा का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं और मुझे अपने प्रोजेक्ट मे शुद्ध मनोरंजन को ध्यान में रखना है. पंकज बेरी के साथ हम एक प्रोजेक्ट कर रहे हैं जिसमें उनका किरदार एकदम अलग नजर आएगा. मैं चाहता हूं कि बहुत अच्छे निर्देशक अरशद भाई भी मेरा एक प्रोजेक्ट डायरेक्ट करें.₹बता दें कि इनका प्रोडक्शन हाउस रूपेश राय प्रोडक्शन काफी समय से सक्रिय है. हाल ही में इन्होंने एक डिवोशनल ऑडियो म्युज़िक कंपनी ताल ट्यून म्युज़िक खोली है. हाऊस ऑफ ड्रामा पिक्चर्स के नाम से वह एक नया वर्टिकल चैनल लेकर आ रहे हैं जिसकी अधिकतर शूटिंग केरला मे होगी. इसमे यूथ ओरिएंटेड कंटेंट होगा. तीन घंटे की फिल्म से लेकर आज 2 मिनट के 60 एपिसोड तक का मनोरंजन परोसा जाने लगा है. आज की पीढ़ी के इसी ट्रेंड को देखते हुए वह नया चैनल लांच करने की तैयारी में हैं. पंकज बेरी ने रूपेश राय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं. कहा कि वह स्वस्थ और मस्त रहें अच्छे प्रोजेक्ट्स बनाते रहे. सुन्दरी ठाकुर ने कहा कि रूपेश जी की पूरी फॅमिली बहुत अच्छी है. अच्छे निर्माता निर्देशक होने के साथ साथ बहुत अच्छे इंसान भी हैं. दिलशाद जी ने कहा कि रूपेश जी बहुत अच्छे मित्र हैं और मेरे भाई की तरह हैं. मेरी ओर से उनको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. उनके प्रोजेक्ट्स बहुत बेहतरीन होते हैं. उनकी फ़िल्मों को काफी अवाड्र्स भी मिल चुके हैं शुजात जी ने भी उन्हें हार्दिक बधाई दी. आए हुए मेहमान नितिन दीवान और हिमांशी गौर ने भी रूपेश राय के उज्जवल भविष्य की कामना की. लेखक सौरभ जी ने पंकज बेरी को ध्यान में रखकर एक स्क्रिप्ट लिखी है. उन्होंने कहा कि प्रेम कहानी से शुरू होने वाला शो मर्डर मिस्ट्री मे बदल जाता है जो देखने लायक होगा.

सोनी के शो आमी डाकिनी के लिए जावेद अली ने रचा नया टाइटल ट्रैक

आहट के बाद अब सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न ला रहा है आमी डाकिनी। ये शो शुरू से अंत तक दर्शकों को बांधे रखने का वादा करता है। कोलकाता की खूबसूरत पृष्ठभूमि पर बनी इस कहानी में प्यार, जुदाई और बदले का सफर दिखेगा। कहानी के बीचोंबीच है डाकिनी, जो अपनी खूबसूरती से हैरान करती है, खामोशी से डराती है और बिना रहम के कत्ल करती है।मशहूर सिंगर जावेद अली अब म्यूज़िक कंपोजर की भूमिका में नजर आएंगे, वो भी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के शो आमी डाकिनी के टाइटल ट्रैक के साथ। अपनी सोलफुल और वर्सेटाइल सिंगिंग के लिए पहचाने जाने वाले जावेद इस शो के लिए एक नया म्यूज़िकल विज़न लेकर आए हैं। उनकी ये मेलोडिक कम्पोज़िशन शो की भावनाओं और रहस्यमयी अंदाज़ को खूबसूरती से बयां करती है। ये जावेद अली के करियर का एक नया क्रिएटिव चैप्टर है और सोनी टीवी के साथ उनका ये कोलैबोरेशन काफी खास होने वाला है।23 जून से आमी डाकिनी देखना न भूलें , हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8 बजे, सिर्फ़ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनी LIV पर।

89 की उम्र में धर्मेंद्र ने एकता जैन के साथ अपने लोनावला फार्महाउस पर मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दिग्गज अभिनेता ने योग और एकता जैन के उत्साह की तारीफ की; एक्शन डायरेक्टर मोहन बग्गड़ और अभिनेता सोनू बग्गड़ भी हुए शामिल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र ने 89 वर्ष की उम्र में यह साबित कर दिया कि उम्र केवल एक संख्या है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने लोनावला स्थित फार्महाउस में एक विशेष योग सत्र में हिस्सा लिया। इस सत्र में उनके साथ अभिनेत्री, मॉडल, एंकर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एकता जैन भी शामिल हुईं। दोनों ने अनुलोम-विलोम, प्राणायाम और अन्य श्वास नियंत्रण अभ्यास किए।यह योग सत्र स्वास्थ्य, एकाग्रता और सम्पूर्ण जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान एकता जैन ने धर्मेन्द्र जी की ऊर्जा की प्रशंसा करते हुए कहा, "धर्मेन्द्र सर में बहुत ऊर्जा है। उन्होंने साबित कर दिया कि उम्र महज एक संख्या है।" उन्होंने यह भी कहा कि योग आज की पीढ़ी के लिए मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने का एक शक्तिशाली माध्यम है।अपने सरल जीवन और अनुशासन के लिए मशहूर धर्मेन्द्र ने सभी आयु वर्ग के लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "योग सभी को करना

चाहिए, स्वस्थ जीवन के लिए," और यह भी बताया कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि आत्म-संपर्क का मार्ग है।इस अवसर पर प्रसिद्ध एक्शन डायरेक्टर मोहन बग्गड़ और उनके बेटे सोनू बग्गड़ भी उपस्थित थे। सोनू बग्गड़ धर्मेन्द्र की आने वाली फिल्म ₹मैंने प्यार किया फिर से₹ में नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म रोनी रोड्रिग्स द्वारा PBC मोशन पिक्चर प्रा. लि. के बैनर तले निर्मित की जा रही है, और भावनात्मक कहानी के साथ धर्मेन्द्र की वापसी को दर्शकों के बीच लेकर आ रही है।योग दिवस के साथ-साथ धर्मेन्द्र ने विश्व संगीत दिवस पर भी अपने विचार साझा किए, जो इसी दिन मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि संगीत और योग दोनों ही जीवन में शांति और आनंद का माध्यम हैं और इनका अभ्यास मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।धर्मेन्द्र के लोनावला फार्महाउस पर यह आत्मीय योग सत्र एक प्रेरणादायक उदाहरण बना, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि उम्र, अनुशासन और जुनून एक साथ कितनी खूबसूरती से निभ सकते हैं- खासतौर पर जब वे भारतीय परंपराओं जैसे योग और कला से जुड़े हों।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा बॉलीवुड आइकॉनिक अवार्ड 2025 का भव्य आयोजन

*चीफ गेस्ट धीरज कुमार, दीपक पराशर, प्रतिमा कनन, कन्नन अरुणाचलम, बी एन तिवारी, गायिका दीपा नारायण झा, गायिका ऋतु पाठक, एसीपी संजय पाटिल, दिलीप सेन, निर्माता ऐक्टर सीडी शेटे, रेखा राव, अभिषेक खन्ना, ब्राइट आउटडोर मीडिया के प्रतिनिधि की विशेष उपस्थिति रही. डॉ कृष्णा चौहान द्वारा ₹बॉलीवुड आइकॉनिक अवार्ड 2025₹ का आयोजन अंधेरी वेस्ट मुंबई के मेयर हॉल में भव्य रूप से किया गया जहां सम्मानित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की. इस अवसर पर चीफ गेस्ट धीरज कुमार, दीपक पराशर, प्रतिमा कनन,कन्नन अरुणाचलम, बी एन तिवारी, गायिका दीपा नारायण झा, गायिका ऋतु पाठक, एसीपी संजय पाटिल, दिलीप सेन, निर्माता ऐक्टर सीडी शेटे, रेखा राव, अभिषेक खन्ना, ब्राइट आउटडोर मीडिया के प्रतिनिधि की विशेष उपस्थिति रही. केसीएफ प्रस्तुत इस पुरस्कार समारोह में उन हस्तियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने फिल्मी दुनिया मे अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा आयोजित इस अवार्ड समारोह में कई हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमे यह नाम उल्लेखनीय हैं।

मुख्य अतिथि प्रतिमा कनन,एसीपी

संजय पाटिल, दीपक पराशर, रेखा राव, दिलीप सेन, अभिषेक खन्ना, गायक सागर आचार्य, सिंगर नरेश इत्यादि. इस अवसर पर शिरीन फरीद, कबीना महराजन, सीडी शेटे, सोनू श्रीवास्तव, दीपक देसाई, ऋतु पाठक, गीतकार विक्की नागर, गीतकार एम प्रकाश, कोरियोग्राफर दिलीप मिस्त्री, निर्माता दिलीप पटेल,मनोज तिवारी, दिनकर कपूर, जिग्ना सेठ, पूर्वी कलथेरिया, भेरु जैन, फोटोग्राफर दिनेश पारेशा, को भी सम्मानित किया गया. स्टेज पर शानदार केक काटकर साउथ ऐक्टर जयप्रभु आर. लिंगायत का जन्मदिन भी मनाया गया। इस अवार्ड समारोह के सीजन 6 की बेपनाह सफलता के बाद अब डॉ कृष्णा चौहान बेहद उत्साहित हैं।

चीफ गेस्ट धीरज कुमार ने डॉ कृष्णा चौहान को अवॉर्ड किंग कहा और उन्हें ऐसे अवॉर्ड शो के आयोजन के लिए बधाईयाँ दी. इस अवसर पर दीपक देसाई के गुजराती अल्बम चलो ने आपने गरबे₹ का पोस्टर लांच किया गया जिसके गीतकार और निर्माता दीपक देसाई, सिंगर राजू टांक, डॉ पूजा शाह हैं. इस गरबा गीत मे कशिश खण्डेलवाल नजर आएंगी. दीपक देसाई की किताब यादो के गुब्बारे मे यह गीत प्रकाशित है. बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान पिछले दो दशक से फिल्म जगत में फिल्ममेकर के रूप में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही वह सामाजिक कार्यों में भी हमेशा आगे रहते हैं। कोविड काल के दौरान उन्होंने न सिर्फ जरूरतमंदों को राशन वितरित किया बल्कि सबसे बड़ी बात यह रही कि उन्होंने भगवतगीता भी लोगों को भेंट किया। अपने सभी अवार्ड समारोह की तरह इस समारोह में भी फ़िल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ साथ डॉ कृष्णा चौहान ने इस बार भी कई पत्रकारों, फोटोग्राफर को सम्मान से नवाजा।बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान अपनी नेक्स्ट हॉरर थ्रिलर फिल्म 'आत्मा डॉट कॉम' की शूटिंग भी जल्द शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में प्रसिद्ध संगीतकार दिलीप सेन का संगीत है, जिसके कई गाने रिकार्ड कर लिए गए हैं वहीँ उन्होंने अपनी दूसरी फिल्म दांव का मुहूर्त किया है. उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान न सिर्फ एक सफल बॉलीवुड डायरेक्टर हैं, एक्टिव सोशल वर्कर हैं बल्कि अवाड्र्स फंक्शन्स करने के मामले में नम्बर वन माने जाते हैं। उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने अगले पुरुस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं।

छायाचित्र : दिनेश परेशा

संस्थानों ने योग दिवस मनाया और अच्छे स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाई

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

स्वस्थ जीवन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी छात्रों और कर्मचारियों की भागीदारी के साथ संस्थानों में योग दिवस मनाया गया। सत्र एक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किए गए थे, जहां योग विशेषज्ञों की एक टीम ने अच्छे स्वास्थ्य के महत्व और योग की तकनीक में वैश्विक नेता के रूप में भारत के मूल्यवान इतिहास के बारे में जानकारी देकर कार्यक्रम की शुरुआत की।इस वर्ष योग दिवस समारोह का विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। संस्थानों में योग दिवस समारोह में, योग की अवधारणा जो शरीर को मजबूत करती है, मन को शांत करती है और दैनिक जीवन में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाती है, को अच्छी तरह से संप्रेषित किया गया।माइंडफुलनेस का लाभ व्यक्ति को अधिक स्वस्थ और अधिक स्थायी जीवन शैली चुनने की अनुमति देता है।

छात्रों को बताया गया कि 'स्वयं की देखभाल करने से हम पृथ्वी की देखभाल करना शुरू करते हैं, जो वसुधैव कुटुम्बकम के चिरस्थायी भारतीय लोकाचार को दर्शाता है - विश्व एक परिवार है'। इस आयोजन से कुल मिलाकर प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है और कई संस्थानों ने 20 मिनट के सत्र के बाद ही सीखने की दैनिक रस्में शुरू करने की प्रथा को अपनाया है जिसमें बुनियादी स्ट्रेचिंग और श्वास अभ्यास शामिल हैं।

20 मिनट की अवधि के ये दैनिक ध्यान सत्र मन और शरीर को एक साथ केंद्रित करने में बहुत प्रभावी पाए गए हैं। जिन छात्रों ने पहले से ही औपचारिक प्रशिक्षण लिया है और नियमित रूप से योग का अभ्यास कर रहे हैं, उन्होंने एक योग क्लब बनाया है और वे अपने आस-पास और आसपास विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं और उन्हें जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स एवं खुदरा व्यापार नीति परस्पर जुड़े होने से संबंद्ध कर जारी करने की तैयारी में सरकार

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया कई समय से खुदरा व्यापारी जिसका इंतजार कर रहे हैं वह ई-कॉमर्स पॉलिसी पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ₹प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार नीतियों पर चर्चा जारी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे से परस्पर जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि ई-कॉमर्स क्षेत्र एक उभरता हुआ और तेजी से बदलता हुआ विषय है '' इसलिए हमने कुछ विचार सामने रखे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ₹इसे और अधिक समसामयिक बनाने के लिए हमें नीति में संशोधन करना होगा जिस पर चर्चा जारी है।''

मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा जारी है, क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से परस्पर जुड़ी हैं।उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड एवं संगठनों से से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है।खुदरा व्यापार को सुव्यवस्थित करने तथा खुदरा व्यापार क्षेत्र के सभी स्वरूपों के सामंजस्यपूर्ण तरीके से विकास के लिए खुदरा व्यापार नीति का मसौदा 2021 में तैयार किया गया था।इसका उद्देश्य व्यापार सुगमता बढ़ाना, किफायती ऋण तक आसान एवं त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना और खुदरा व्यापार के आधुनिकीकरण व डिजिटलीकरण को सुगम बनाना है।शंकर ठक्कर ने आगे कहा सरकार द्वारा इन दोनों गंभीर विषयों पर तुरंत फैसला लेना चाहिए जिससे अनैतिक तौर तरीके अपना कर व्यापार कर रही ई कॉमर्स कंपनियों पर नकेल कसी जाए एवं भारत के परंपरागत खुदरा व्यापार को बचाया जा सके।:कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

ताज इंडियन ग्रुप अपने पहले वर्ष में ही भारत के टॉप 4 जूस निर्यातकों में शामिल

मुंबई, 18 जून, 2025: भारतीय द्वारा स्थापित पोलैंड स्थित एफएमसीजी कंपनी ताज इंडियन ग्रुप ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ग्लोबल आयात-निर्यात डेटा के अनुसार अपने परिचालन के पहले वर्ष में ही एचएस कोड 22029920 के तहत भारत के शीर्ष चार जूस निर्यातकों में स्थान पाने का उल्लेखनीय गौरव हासिल कर लिया है।

यह खास एचएस कोड फलों के गूदे या फलों के रस-आधारित पेय पदार्थों से संबंधित है। पारले एग्रो ने सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि ताज इंडियन ग्रुप ने चौथा स्थान प्राप्त किया।ताज इंडियन ग्रुप के संस्थापक हरप्रीत सिंह ने कहा, ₹गुजरात से फलों के रस और स्पार्कलिंग ड्रिंक जैसे हमारे कॉन्ट्रैक्ट - निर्मित गैर-अल्कोहल पेय पदार्थों को लॉन्च करने के सिर्फ़ एक साल के अंदर, प्रीमियम फलों से बने हमारे गूदे-आधारित उत्पाद पूरे यूरोप में तुरंत पसंदीदा बन गए।

हमने अब भारत और यूरोप के बीच एक विश्वसनीय और कुशल निर्यात-आयात आपूर्ति श्रृंखला बनाई है एवं कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में सक्रिय रूप से विस्तार कर रहे हैं।" इस कार्यक्रम में आकाश एंटरप्राइजेज के मालिक और पुणे के सुपर स्टॉकिस्ट आकाश दिलीप सोलापुरे भी शामिल हुए, जिन्होंने ब्रांड की क्षमता पर भरोसा जताया: "ताज इंडियन ग्रुप ने सिर्फ़ एक साल में जो हासिल किया है, वह किसी असाधारण उपलब्धि से कम नहीं है। एक भागीदार के रूप में, मैंने खुद देखा है कि कैसे उपभोक्ता इन उत्पादों के स्वाद और गुणवत्ता को पसंद कर रहे हैं," श्री सोलापुरे ने कहा।

भारत में, कंपनी के उत्पाद अब 12 प्रमुख शहरों और पाँच राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, असम और पश्चिम बंगाल में 5,000 से ज़्यादा खुदरा दुकानों में उपलब्ध हैं।

सह-संस्थापक और सीईओ गौतम कुमार ने कंपनी की तेजी से बढ़ती घरेलू विकास योजनाओं को रेखांकित किया "हमारा लक्ष्य 15 और राज्यों और 30 शहरों में विस्तार करना है, जिसमें प्रीमियम भारतीय मसालों, स्नैक्स, बेकरी आइटम और रेडी-टू-ईट भोजन में 300 से ज़्यादा चीजें शामिल है।" उत्पादन को और बढ़ावा देने तथा मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करने के लिए, कंपनी गुजरात में 50 करोड़ की लागत वाली एक मिनी फ़ूड पार्क परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के अंतिम चरण में है, जिसे निजी इक्विटी तथा सरकारी अनुदान के मिश्रण से फंड किया जाएगा।5-6 एकड़ में फैले इस फ़ूड पार्क में 7-8 यूनिट्स होंगी, जिनकी दैनिक उत्पादन क्षमता निम्न प्रकार होगी जूस और पेय पदार्थः 50,000 लीटर, मसाले 10 मीट्रिक टन, स्नैक्स और बेकरी 5 मीट्रिक टन, रेडी-टू-ईट भोजन 25,000 पैक. इस पहल से 500 प्रत्यक्ष तथा 800 अप्रत्यक्ष नौकरियाँ क्रिएट होने की उम्मीद है।इस कार्यक्रम में अनिरुद्ध चौधरी, टीम लीड पुणे तथा महबूब भट्टी, बिज़नेस ग्रोथ पार्टनर मुंबई सहित टीम के प्रमुख सदस्य उपस्थित थे, जो दोनों ही कंपनी के क्षेत्रीय विस्तार प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पंकज देशमुख (देशमुख डिस्ट्रीब्यूटर) ठाणे के अधिकृत सुपर स्टॉकिस्ट हैं, जो महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहे हैं।

मसाले, बेकरी, मखाना, फ्रूट जूस, नमकीन, अचार, रेडी टू ईट प्रोडक्ट, आटा सहित कई प्रोडक्ट्स 5 हज़ार स्टोर्स पर उपलब्ध हैं. 90 प्रतिशत एक्सपोर्ट से कंपनी को रेवन्यू आता है. ताज इंडियन फूडसच्चा भारतीय स्वाद मुनासिब दाम पर उपलब्ध कराता है जिसकी लोकल मैन्युफैक्चरिंग होती है. अगले साल तक इसे पैन इंडिया पहुंचाने का प्रयास है. बहुत रिसर्च करके यह प्रोडक्ट बनाया गया है जिसमें गुणवत्ता और सेहत से कोई समझौता नहीं किया गया है.

"सितारे ज़मीन पर" फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का रिव्यू

राज के.वेगड़

राज वेगड़, मुंबई तरंग

यह फिल्म वाकई में बेहतरीन है। इसमें विशेष ज़रूरतों वाले लोगों की भावनात्मक कहानियों और प्रेरणादायक सफर को बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया है। यह फिल्म हमें यह संदेश देती है कि अगर समाज उन्हें समझे और अपनाए, तो वे भी जीवन में बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं।आज के समय में अक्सर लोग उन व्यक्तियों से दूरी बना लेते हैं जो आम समाज के "नॉर्मल" ढांचे में फिट नहीं होते। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि उनके पास भी सपने, संवेदनाएँ और असाधारण क्षमताएँ होती हैं। सोच का छोटा सा बदलाव एक सुंदर, समावेशी समाज बना सकता है।यह फिल्म ज़रूर देखें, अपने परिवार के साथ।

ईरान और इजरायल युद्ध के चलते भारत में कई वस्तुओं के दामों पर असर

खाद्य तेलों की कीमतों में 8 % तक की बढ़ोतरी : शंकर ठक्कर

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग के चलते गहराते तनाव का सीधा असर भारत मैं कई वस्तुओं की कीमतों पर पढ़ने लगा है। खासकर कच्चे तेलों की दामों में इजाफा होने से खाद्य तेलों की कीमतें 7 से लेकर 8 % तक बढ़ी है। वही यूरोप, अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की हवाई यात्रा पर भी असर पड़ रहा है। पाकिस्तान के बाद अब ईरान, इराक, इजरायल, जॉर्डन और सीरिया ने भी अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है जिससे विमानों के मार्ग बदल गए हैं। इस वजह से यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है और हवाई किराए में इस हफ्ते 20% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।हवाई क्षेत्र बंद होने से उड़ानों का रास्ता लंबा हो गया है जिसका सीधा प्रभाव विमानों के उड़ान समय और किराए पर पड़ रहा है। कुछ क्षेत्रों में पहले से ही 12 से 15% की वृद्धि देखी जा चुकी है। हवाई क्षेत्रों पर अस्थायी प्रतिबंध से विमानों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में 2 से 4 घंटे का अतिरिक्त समय लग रहा है। इस अतिरिक्त समय और लंबे रूट के कारण विमानन कंपनियों की परिचालन लागत बढ़ गई है जिससे कुछ मार्गों के किराए में 15 से 20% तक का इजाफा हुआ है। खाड़ी देशों से आने-जाने वाले उड़ान मार्गों पर भी हवाई क्षेत्रों में जारी प्रतिबंध के कारण भारी भीड़ देखी जा रही है।ईरान-इजरायल युद्ध का असर सिर्फ हवाई यात्रा तक सीमित नहीं है। समुद्री माल ढुलाई दरों में भी 50% तक की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही बीमा शुल्क में भी बढ़ोतरी का जोखिम बना हुआ है। निर्यातकों का मानना है कि इस युद्ध के कारण यूरोप और रूस जैसे देशों को भारत का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।सरकार इस पूरे असर का आकलन कर रही है और निर्यातकों को इसके प्रभाव से बचाने के लिए बातचीत भी कर रही है। सरकार का मुख्य ध्यान उन देशों जैसे यूएई, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान और इजरायल को होने वाले निर्यात को सुरक्षित करने पर है।यह युद्ध लंबे समय तक खिंचता है तो ईरान और यूएई के बीच स्थित होर्मुज जलमार्ग और लाल सागर जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों के जरिए वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही पर गंभीर असर पड़ेगा। यूक्रेन संकट के बाद मालवाहक जहाज धीरे-धीरे लाल सागर के मार्गों पर लौट आए थे जिससे भारत और एशिया के अन्य हिस्सों से अमेरिका और यूरोप जाने में 15-20 दिन की बचत हो रही थी लेकिन अब इस युद्ध के कारण मालवाहक जहाज फिर से लाल सागर मार्ग का उपयोग करने से बचेंगे जिससे यात्रा का समय और लागत दोनों बढ़ेंगे।भारत का यूरोप के साथ 80% व्यापार लाल सागर के जरिए होता है और लाल सागर व होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए भारत कुल 34% निर्यात करता है।इस युद्ध का सीधा असर बासमती चावल के निर्यात पर भी पड़ेगा। भारत हर साल बड़े पैमाने पर ईरान को बासमती चावल निर्यात करता है। जंग बढ़ने से बासमती चावल का निर्यात फँस गया है।

पिछले साल भारत ने ईरान को लगभग 6,734 करोड़ रुपये का चावल निर्यात किया था जो कुल चावल निर्यात का लगभग 25% था। निर्यात रुकने से भारत में बासमती चावल के दामों में 10-15% तक की गिरावट देखने को मिल सकती है। इसी तरह भारत से चाय का निर्यात भी प्रभावित होने की आशंका है।शंकर ठक्कर ने आगे कहा युद्ध शुरू होने से पहले भारत में पाम तेल 1110 प्रति 10 किलो था जो आज 1180 प्रति 10 किलो है। सोयाबीन तेल के दाम 1130 प्रति 10 किलो थे वह आज 1200 पति 10 किलो है। वही सूरजमुखी तेल के दाम 1300 प्रति 10 किलो थे वह आज 1350 प्रति 10 किलो है । आयाती तेलों की कीमतें बढ़ने से देसी तेलों पर भी इसका असर देखने को मिल रहा मूंगफली तेल और सरसों तेल के दामों में कफी इजाफा हुआ है।: कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने भविष्य की शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए दिल्ली डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना का मुख्यमंत्री को दिया सुझाव

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया कि दिल्ली को डिजिटल लर्निंग और इनोवेशन का केंद्र बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम उठाते हुए चांदनी चौक से भाजपा सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना का औपचारिक प्रस्ताव भेजा है।

इस पत्र की प्रति दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद को भी प्रेषित की गई है।मुख्यमंत्री को भेजे गए अपने पत्र में खंडेलवाल ने इस प्रस्ताव को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप, भविष्य उन्मुख एवं तकनीक-सक्षम शिक्षा के क्षेत्र में दिल्ली को अग्रणी बनाने की दिशा में एक रणनीतिक पहल बताया।खंडेलवाल ने कहा कि प्रस्तावित दिल्ली डिजिटल यूनिवर्सिटी एक ऐसा केंद्रीय प्लेटफॉर्म बन सकती है, जो गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन उच्च शिक्षा, कौशल विकास और उभरती तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन और डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में अनुसंधान का केंद्र बनेगा। यह विश्वविद्यालय छात्रों, पेशेवरों और उद्यमियों को लचीली, सुलभ और किफायती शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराएगा।प्रस्ताव के विभिन्न लाभों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सभी के लिए शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करेगा, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग, यहां तक कि दूरदराज के क्षेत्रों के छात्र भी शीर्ष श्रेणी की शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि भविष्य-उन्मुख कौशल विकास के तहत इस विश्वविद्यालय में टेक कंपनियों और स्टार्टअप्स के सहयोग से ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं जो युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करें और उद्यमिता को बढ़ावा दें।खंडेलवाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय दिल्ली के डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूती देगा और राजधानी को एक अग्रणी ज्ञान एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल-फर्स्ट मॉडल के कारण यह योजना कम लागत में अधिक छात्रों तक पहुंच सुनिश्चित कर सकती है।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उचित साझेदारियों के माध्यम से यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय छात्रों एवं शोधकर्ताओं को आकर्षित कर सकता है और राष्ट्रीय व वैश्विक पहचान प्राप्त कर सकता है।

खंडेलवाल ने कहा, "यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो यह दिल्ली सरकार के अंतर्गत एक ऐतिहासिक नीति नवाचार सिद्ध होगा और समावेशी, तकनीक-संचालित शिक्षा के प्रति दिल्ली की प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त करेगा।:कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

भारत में पिछले दशक में ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार से क्रांतिकारी परिवर्तन

व्यापारी और उद्योगों को ज्यादा भंडारण की आवश्यकता हुई कम : शंकर ठक्कर

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया भारत में पिछले दशक में ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में देखा गया क्रांतिकारी परिवर्तनपिछले 10 वर्षों में भारत में ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर यानी परिवहन अवसंरचना में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिला है। भारत ने पिछले एक दशक में अवसंरचना विकास के अभूतपूर्व पैमाने को देखा है।

यह प्रगति, पीएम गति शक्ति, राष्ट्रीय रसद नीति, भारतमाला, सागरमाला और उड़ान जैसी प्रमुख राष्ट्रीय पहलों के तहत समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण की सफलता से प्रेरित है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर निवेश के आधार पर अर्थव्यवस्था के राजमार्गों, रेलवे, समुद्री और नागरिक उड्डयन क्षेत्रों में देश के परिवहन अवसंरचना में हुए से यातायात को काफी गति मिली है। जिसका फायदा देशवासियों को और खासकर छोटे उद्योग एवं व्यापारियों को मिला है पुराने समय में यातायात की गति धीमी होने से कई वस्तुओं को बड़े पैमाने पर भंडारण करने की आवश्यकता पढ़ती थी लेकिन सभी प्रकार के परिवहन में सुधार होने से समय पर वस्तुएं अपने गंतव्य स्थान पर पहुंच रही है चाहे मौसम कैसा भी हो ज्यादा तेज बारिश हो या कई पहाड़ी एरिया में बर्फ गिरी हो लेकिन परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा हो जाने से अब इस समस्या से काफी हद तक छुटकारा मिल गया है। भारत सरकार द्वारा खासकर 2021 में लॉन्च किया गया पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के आर्थिक क्षेत्रों में मल्टी मॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए एक व्यापक पहल है। इस एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए 100 लाख करोड़ रुपये का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है।

सात प्रमुख क्षेत्रों- रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और रसद अवसंरचना-पर आधारित यह मंत्रालयों और राज्य सरकारों में समन्वित विकास को बढ़ावा दे रहा है। पिछले दशक के दौरान भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई 1,46,204 किलोमीटर हो गई।पिछले दशक के दौरान भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई 91,287 किलोमीटर से 60 प्रतिशत बढ़कर 1,46,204 किलोमीटर हो गई, राजमार्ग निर्माण की गति 2014 में 11.6 किलोमीटर/दिन से बढ़कर 34 किलोमीटर/दिन हो गई। 2013-14 और 2024-25 के बीच सड़क अवसंरचना में केंद्र के निवेश में 6.4 गुना वृद्धि हुई है।

2014 से 2023-24 तक सड़क परिवहन और राजमार्ग बजट में 570 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।दूसरी तरफ 2014 से भारतीय रेलवे के बजट में नौ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है।

24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और 333 जिलों को कवर करने वाली नई वंदे भारत सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनों की शुरुआत में उच्च निवेश परिलक्षित होता है। देश में वर्तमान में कुल 68 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, जबकि 400 अन्य विश्व स्तरीय वंदे भारत ट्रेनों के निर्माण की योजना है। 2014 से अब तक 31,000 किलोमीटर से अधिक नई पटरियां बिछाई गई हैं और 2014 से अब तक 45,000 किलोमीटर से अधिक पटरियों का नवीनीकरण किया गया है। ट्रैक नेटवर्क के विद्युतीकरण की गति 2004-14 के बीच 5,188 रूट किलोमीटर से बढ़कर 2014-25 में 45,000 से अधिक रूट किलोमीटर तक पहुंच गई है।

पिछले 10 वर्षों में देश की बंदरगाह क्षमता दोगुनी होकर 2,762 एमएमटीपीए हो गई है, साथ ही जहाजों के लिए कुल टर्नअराउंड समय 93 से 49 घंटे तक सुधर गया है। बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए सागरमाला के तहत 277 परियोजनाएं पूरी की गई हैं।

रिपोर्ट में बंदरगाह क्षेत्र में पूरी की गई प्रमुख परियोजनाओं की भी सूची दी गई है, जिसमें विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट भी शामिल है। पिछले 10 वर्षों में भारत के अंतर्देशीय जलमार्ग कार्गो में 710 प्रतिशत (18 एमएमटी से 146 एमएमटी) की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (हल्दिया से वाराणसी) की क्षमता बढ़ाने के लिए 5,370 करोड़ रुपये के निवेश को भी मंजूरी दी गई है, यह प्रमुख अंतर्देशीय नेविगेशन पहल गंगा नदी पर कार्गो की आवाजाही को बढ़ाती है। देश के नागरिक उड्डयन परिदृश्य में नए मार्ग और नए हवाई अड्डे जोड़े गए हैं।

भारत में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2025 में 160 हो गई है। शंकर ठक्कर ने आगे कहा भारत सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में सड़क मार्ग हवाई मार्ग एवं अंतर्देशीय जलमार्ग, बंदरगाहों पर किए गए सुधार से भारत के यातायात मैं आमूल चूल परिवर्तन आया है जिसकी चलते माल सामान की ढुलाई में काफी कम समय लग रहा है जिसका फायदा छोटे उद्योग एवं व्यापारियों को वस्तुओं के भंडारण की आवश्यकता को कम कर दिया है जिससे भंडारण में लागत कम हुई है और व्यापारियों एवं छोटे उद्योगों को राहत मिली है।: कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

'अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज बनेगा', भारतीय भाषाएं हमारा गहना है, भाषा विवाद के बीच अमित शाह का बड़ा बयान

राजनेताओं को जनता को भारतीय भाषाओं के बीच बांटना बंद करना चाहिए : शंकर ठक्कर

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया पिछले कुछ समय से राजनेताओं द्वारा फिर से जनता को भारतीय भाषाओं के बीच बांटने के प्रयास शुरू किया गया है जो देश के लिए बहुत ही घातक है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। चीजों को वो ही कर पाते हैं जो एक बार अपने मन में ठान लेते हैं और मैं मानता हूं कि हमारे देश की भाषाएं, हमारा गहना हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत में लोग अंग्रेजी बोलने पर शर्मिंदगी महसूस करेंगे। उन्होंने भारतीय भाषाओं को देश की संस्कृति के रत्न बताते हुए कहा कि ये भाषाएं हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं और इनके बिना हम भारतीय नहीं कहला सकते।भारतीय खाद्य निगम के प्रबंध निदेशक आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री द्वारा लिखी किताब के विमोचन के मौके पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा, 'मेरी बात ध्यान से सुनिए और याद रखिए, इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। चीजों को वो ही कर पाते हैं जो एक बार अपने मन में ठान लेते हैं और मैं मानता हूं कि हमारे देश की भाषाएं, हमारा गहना है। इनके बिना हम भारतीय नहीं हैं। आप किसी विदेशी भाषा में अपने इतिहास, संस्कृति और धर्म को नहीं समझ सकते.'।उन्होंने आगे कहा कि अधूरी विदेशी भाषाओं के साथ संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। मैं इस बात से पूरी तरह वाकिफ हूं कि लड़ाई कितनी कठिन है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय समाज इस लड़ाई को जीतेगा और अपनी भाषाओं पर गर्व करते हुए हम अपने देश को चलाएंगे, विचार करेंगे, शोध करेंगे, निर्णय लेंगे और दुनिया पर शासन करेंगे। इसमें किसी को संदेह करने की कोई जरूरत नहीं है।केंद्रीय मंत्री ने ये भी कहा कि 2047 में दुनिया में शीर्ष पर रहने में हमारी भाषाओं का बहुत बड़ा योगदान होगा।शंकर ठक्कर ने आगे कहा हमें अपनी भाषाओं पर गर्व होना चाहिए। विश्व में कई देश ऐसे हैं जहां पर अपनी स्थानीय भाषा को महत्व दिया जाता है और ऐसे देश दूसरे देशों से ज्यादा प्रगति कर रहे हैं। इसलिए हमें भी अपनी स्थानीय भाषाओं को महत्व देना चाहिए और आम जिंदगी में और सरकारी स्तर पर स्थानीय भाषाओं का उपयोग करना चाहिए। इस पर हमें गर्व भी होना चाहिए तभी हमारी भाषाओं का विश्व में महत्वपूर्ण स्थान होगा। राजनेताओं को भी देश की जनता को भाषाओं के नाम पर बांटना बंद करना चाहिए देश की सभी भाषाएं अच्छी है और जो जिस भाषा का प्रयोग करना चाहता है उसे वह करने की आजादी होनी चाहिए।: अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शंकर ठक्कर

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।